RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 25 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 17-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 एजेंडा मोदी को बचाना है, महिलाओं का आरक्षण नहीं' : मोदी

6 मेघ, माटी और मन० का उत्सव : सावन

7 रानी मुखर्जी को मिला मानद डॉक्टरेट की उपाधि

फर्स्ट टेक

हंगरी में बस दुर्घटना में 12 लोगों की मौत

बुडापेस्ट/एपी। हंगरी में रविवार तड़के राजमार्ग पर जा रही एक यात्री बस सड़क से फिसल कर खाई में गिर गई जिससे 12 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पोलैंड के पर्यटकों के एक समूह को ले जा रही बस रविवार देर रात करीब एक बजे हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से लगभग 140 किलोमीटर पूर्व में एम3 मोटरवे पर मेजोकेरेज्त्स शहर के पास पूर्व की ओर जाने वाली सड़क पर पलट गई। पुलिस ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, हादसा संभवत: चालक को नींद आ जाने के कारण हुआ। उसने बताया कि चालक को हिरासत में ले लिया गया है। हंगरी के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन निदेशालय ने बताया कि हादसे के समय बस में 57 यात्री और दो चालक सवार थे। बस पलटने के बाद कई यात्री उसके नीचे फंस गए थे।

बेल्जियम के सबसे बड़े प्राकृतिक रिज़र्व में लगी भीषण आग

बेलेन/एपी। बेल्जियम के सबसे बड़े वन क्षेत्र 'हाई फेंस' में रविवार को लगी भीषण आग के कारण 27 वर्ग किलोमीटर से अधिक का इलाका जलकर खाक हो गया। देश के हालिया इतिहास की इस सबसे भयानक वनाग्नि के चलते आसपास के इलाकों से सैकड़ों लोगों को अपना घर छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जर्मनी की सीमा के करीब स्थित लीज प्रांत के वाइम्स और बूटगेनबाख नगरपालिकाओं में हवा का रुख बदलने और घना धुआं फैलने के बाद लगभग 600 निवासियों को 15 अगस्त को ही जगह खाली करने का निर्देश दिया गया था। अधिकारियों ने पर्यटकों को भी इलाका छोड़ने की सलाह दी है, जबकि विस्थापितों को ठहराने के लिए पास में एक व्यायामशाला को अस्थायी शिविर के रूप में खोला गया है।

इंडोनेशिया में भूकंप से 51 लोगों की मौत

रुतेंग/एपी। पूर्वी इंडोनेशिया में एक दिन पहले आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में मृतकों की संख्या रविवार को चार और शव बरामद होने के बाद बढ़कर 51 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। अमेरिका भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, शक्तिशाली भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 5:58 बजे पूर्वी इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। अमेरिका भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी होने के बाद लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए हालांकि बाद में यह चेतावनी वापस ले ली गई।

17-07-2026 सूर्यास्त 6:41 बजे | 18-08-2026 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
78,009.25	24,366.00
(-70.71)	(-29.85)

सोना	चांदी
15,989 रु.	255,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समझना जरूरी

होगी बरबादी सबकी,
नाकाम जिधर जाएगा।
हुए बदजुबां नेता तो,
अंजाम किधर जाएगा।
हवा जिधर की भी होगी,
तूफान उधर जाएगा।
सही व्यक्ति को चुन लेंगे तो,
देष सुधर जाएगा।।

आज से शुरू होगी ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह की बैठक

नई दिल्ली/भाषा। भारत की मेजबानी में सोमवार को ब्रिक्स पर्यावरण कार्यसमूह (ईडब्ल्यूजी)और जलवायु परिवर्तन व सतत विकास पर संपर्क समूह की अधिकारी स्तर की बैठक होगी जबकि मंगलवार को सदस्य देशों की 12वीं मंत्री स्तरीय बैठक होगी। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि यह कार्यक्रम यहां भारत मंडपम में 'भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026' की मुख्य थीम, 'लचीलेपन, नवोन्मेष, सहयोग और निरंतरता के लिए निर्माण' के तहत आयोजित किया जाएगा। ब्रिक्स ईडब्ल्यूजी की स्थापना 2015 में मॉस्को में ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की पहली बैठक के दौरान की गई थी। इसकी परिकल्पना संगठन के एक ऐसे मंच के तौर पर की गई, जहां सदस्य देश पर्यावरण से जुड़ी बुनियादी प्राथमिकताओं पर ध्यान दे सकें, अपने अनुभव साझा कर सकें, बेहतरीन तौर-तरीकों का आदान-प्रदान कर सकें और सामूहिक कार्रवाई को मजबूत बना सकें।

जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर संपर्क समूह की स्थापना 2024 में ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर सहयोग के लिए एक तंत्र के रूप में की गई थी। बयान में कहा गया है कि ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक में सदस्य देशों के मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, नीति-निर्माता और विशेषज्ञ एक साथ आएंगे ताकि वे अहम मुद्दों पर चर्चा कर सकें, आम सहमति बना सकें और पर्यावरण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत कर सकें। इसमें कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में एक उद्घाटन सत्र और ब्रिक्स ईब्ल्यूजी तथा जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर संपर्क समूह की प्राथमिकताओं पर चर्चा शामिल होगी। मंत्रालय ने कहा कि बैठक की प्राथमिकताओं में सतत जीवन-शैली को बढ़ावा देना, पौधारोपण, जंगल की आग का प्रबंधन और आपदाओं का सामना करने की क्षमता विकसित करना शामिल है। बयान में कहा गया है कि ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक के दौरान परिणामी दस्तावेज़ और विषयगत चर्चाओं पर बातचीत की जाएगी। ये चर्चाएं पर्यावरण सहयोग और सतत विकास के प्रति ब्रिक्स सदस्य देशों की सामूहिक प्रतिबद्धता की जानकारी देंगी। अध्यक्षता के हिस्से के रूप में, भारत ने ब्रिक्स पर्यावरण कार्य समूह के तहत केंद्रित गतिविधियों के लिए चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है।

वाजपेयी 'अजातशत्रु' थे, सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को 'अजातशत्रु' बताते हुए रविवार को कहा कि उनका कोई दुश्मन नहीं था और उन्होंने (वाजपेयी) अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। शाह ने कहा कि वाजपेयी विपक्ष में रहने के दौरान भी और सत्ता में रहते हुए भी अपनी विचारधारा को लेकर प्रतिबद्ध रहे। शाह ने चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''अटल बिहारी वाजपेयी 40 साल तक विपक्ष में रहे, लेकिन उनकी विचारधारा हमेशा सर्वोपरि रही। उन्होंने अपना जीवन अपने सिद्धांतों के अनुसार जिया।''

शाह ने कहा कि वाजपेयी जेल गए, लाठियां खाईं और कांग्रेस के अत्याचार सहे, लेकिन अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि वाजपेयी जब प्रधानमंत्री बने तो वह देश के पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे और उन्होंने कई बड़े फैसले लिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''दुनिया के दबाव के बावजूद उन्होंने पोखरण परीक्षण के जरिए भारत को परमाणु शक्ति बनाया।'' उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने हर गांव को सड़कों से जोड़ने के लिए भी काम किया। शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने स्वर्ण चतुर्भुज परियोजना शुरू की, राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क का विस्तार किया और अपने कार्यकाल में कई अन्य पहल कीं। उन्होंने वाजपेयी को जनजातीय विकास के लिए अलग मंत्रालय स्थापित करने का श्रेय भी दिया। शाह ने कहा कि इससे पहले जनजातीय समुदायों के कल्याण के लिए कोई अलग मंत्रालय नहीं था।

शाह ने कहा, ''अटल जी ने जो शुरुआत की थी, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है।'' उन्होंने यह बात जनजातीय कल्याण के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के संदर्भ में कही।

उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय से आने वाली द्रौपदी मुर्मू का भारत का राष्ट्रपति चुना जाना इस दिशा में हुई प्रगति का प्रमाण है। शाह ने कहा, ''न तो उन्होंने (वाजपेयी) सत्ता में रहते हुए अपने सिद्धांत छोड़े और न ही विपक्ष में रहते हुए। इसलिए उन्हें अजातशत्रु' कहा जाता है-एक ऐसे महान व्यक्ति के रूप में, जिसका कोई दुश्मन नहीं था।''

बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी फंदे से लटका मिले

कोलकाता/रामपुरहाट/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी का शव बीरभूम जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यालय में रविवार सुबह फंदे से लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। बनर्जी की मौत को लेकर राज्य में तृणमूल कांग्रेस के खेमों और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। घटना के कुछ घंटे बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आशंका जताई कि विपक्षी दल के भीतर के भ्रष्ट तत्वों ने शायद आशीष बनर्जी को धमकी दी होगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय से बरामद पूर्व विधायक के एक पत्र की भी जांच कराई जाएगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा, आशीष बनर्जी के लेटरहेड पैड पर हस्तलिखित 'सुसाइड नोट' की जांच कराई जाएगी। लिखावट की भी जांच कराई जाएगी।

तृणमूल के वरिष्ठ नेता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को शोकाकुल परिवार के साथ खड़े रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि यह भी जांच की जाएगी कि क्या बनर्जी को किसी ने धमकी दी थी।

तीन भारतीयों ने 'स्काईडाइविंग' करते हुए तिरंगा फहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)में रहने वाले तीन भारतीय उन '65 स्काईडाइवर्स' में शामिल थे, जिन्होंने 13,000 फुट की ऊंचाई पर एक विमान से छलांग लगाई और अपने-अपने देश का झंडा फहराकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी है। शनिवार को 'गल्फ न्यूज' अखबार में शनिवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक सात अगस्त को लीबिया में इस आयोजन में केवल तीन भारतीयों, केरल के कन्नूर से जमशीर थनालोट, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से अभिषेक रावत और बिहार के पटना से ईशा राज ने हिस्सा लिया था। खबर के मुताबिक 65 लोगों के पूरे समूह ने एक ही विमान से राष्ट्रीय झंडों के साथ एक साथ कूदने वाले सबसे ज़्यादा स्काईडाइवर्स का नया रिकॉर्ड बनाया। गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने 14 अगस्त को आधिकारिक तौर पर इस कीर्तिमान की पुष्टि की।

अखबार के मुताबिक सेना के इल्यूशिन आईएल-76टीडी विमान से छलांग लगाते समय हर स्काईडाइवर ने अपने-अपने देश का झंडा साथ लिया हुआ था। खलीज टाइम्स की खबर के मुताबिक इस समूह में करीब 38 देशों के स्काईडाइवर्स शामिल थे।

कानूनी व्यवस्था को नया रूप देने में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की दिशा तय करने में नेतृत्व करें : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) से महज प्रौद्योगिकी में बदलाव पर प्रतिक्रिया देने के बजाय इस बात को तय करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया कि न्याय, निष्पक्षता और मानवीय विवेक को केंद्र में रखते हुए प्रौद्योगिकी को किस तरह कानूनी व्यवस्था को नया रूप देना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर में आयोजित 'कुलपतियों के सम्मेलन 2.0' को संबोधित करते हुए कहा कि विधि पेशा अब प्रौद्योगिकी को देर से अपनाने वाला नहीं रह सकता। उन्होंने विधि शिक्षा में जेनरेटिव एआई जैसे उपकरणों के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध को भी खारिज किया।

जेनरेटिव एआई एक प्रकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली है जो लिखित निर्देशों के आधार पर स्वचालित रूप से सामग्री उत्पन्न करती है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, शैक्षणिक ईमानदारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार इस्तेमाल को पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहिए। इस तरह का बदलाव संस्थानों की सुविधा के अनुसार नहीं चलता। सम्मेलन का विषय कानूनी प्रौद्योगिकी और इसका रोडमैप : कानूनी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विधि को अग्रणी के रूप में स्थापित करना था।

सीजेआई ने कहा कि प्रौद्योगिकी पहले ही कानूनी परिवेशी तंत्र को बदल रही है। उन्होंने कहा कि इसमें अनुबंध तैयार करने और कानूनी मामलों की समुचित पड़ताल से लेकर विधि शोध, साक्ष्य प्रबंधन तथा विवाद समाधान तक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विधि महाविद्यालयों को इस बदलाव पर प्रतिक्रिया देने वाली पहली कतार में होना होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि आने वाले समय में विधि स्नातक ऐसे उपकरणों के साथ काम करेंगे, जो कुछ ही सेकंड में हजारों न्यायिक नजीरों को पढ़ने, कानूनी और नियामकीय जोखिमों की पहचान करने तथा अदालतों और विवाद समाधान तंत्र की मदद करने में सक्षम होंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल प्रौद्योगिकी से परिचित होना पर्याप्त नहीं होगा। उन्होंने कहा, जो स्नातक केवल किसी तकनीकी उपकरण से मिले नतीजे को समझता है, वह उस पर निर्भर रहेगा, जबकि धारणाओं पर सवाल उठाने, निष्कर्षों की पुष्टि करने और स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए प्रशिक्षित व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी छोड़े बिना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर सकेगा।''

युवा हमारी जनसांख्यिकीय शक्ति, सही दिशा मिले तो लाभ होगा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि युवा देश की जनसांख्यिकीय शक्ति हैं और यदि उनकी क्षमता का सही उपयोग किया जाए तो देश 'विश्वगुरु' बनेगा, वरना वे भविष्य में समाज पर बोझ बन सकते हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि जब जनहित के मुद्दे उठाए जाते हैं तो विपक्ष और आंदोलन लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा होते हैं। उन्होंने कहा, संविधान या देश के कानूनों को नुकसान पहुंचाए बिना संवाद और बहस जारी रहनी चाहिए। भागवत ने लोकमत मीडिया समूह की ओर से कस्तूरचंद पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 30 साल बाद वे भी उम्रदराज हो जाएंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे केवल अपने बारे में न सोचें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की जरूरतों के प्रति भी संवेदनशील रहें।

भागवत ने युवाओं से साहसी बनने और आत्मविश्वास के साथ भविष्य का सामना करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपना भविष्य और देश की दिशा तय करने के लिए काम करना चाहिए। भागवत ने कस्तूरचंद पार्क में लोकमत मीडिया समूह और नगर निगम के सहयोग से स्थापित 200 फुट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज को फहराया। उन्होंने कहा, युवा हमारी जनसांख्यिकीय शक्ति हैं। यदि उनका सही ढंग से मार्गदर्शन किया जाए हमें इससे बहुत लाभ मिलेगा। अगर हम उनका उचित इस्तेमाल करते हैं तो देश 'विश्वगुरु' बनेगा। लेकिन अगर हम ऐसा करने में विफल रहे तो बाद में यह एक बड़ा बोझ बन जाएगा, क्योंकि यही युवा पीढ़ी 30 साल बाद बुजुर्ग पीढ़ी बन जाएगी। उन्होंने कहा, ''युवा ही कमाने वाले होंगे। रोजगार का मतलब केवल नौकरी नहीं है, बल्कि मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग भी इसमें शामिल हैं तथा उनकी मेहनत का सम्मान किया जाना चाहिए।''

भागवत ने कहा कि भारत अपनी आजादी के 80वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जो देश को स्वतंत्र कराने के लिए संघर्ष करने वालों के बलिदान से संभव हुआ। उन्होंने कहा कि अब युवा पीढ़ी को देश के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए।

सजावट

15 अगस्त को बेंगलूरु में विधानसभा के समक्ष किए गए स्वतंत्रता हब्बा का आयोजन मंत्री कृष्णबैरेगौड़ा के नेतृत्व में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी देशभक्ति का परिचय दिया। वहीं अनेक कार्यक्रम हुए तथा विधानसभा में सुन्दर लाइटिंग की व्यवस्था के साथ आतिशबाजी भी की गई।

कावेरी का जल छोड़ने संबंधी आज सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी नदी का जल तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। उच्चतम न्यायालय की 17 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ करेगी। शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को कहा था कि इस मामले में तमिलनाडु सरकार और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित अन्य पक्षों की ओर से दायर याचिकाओं पर 17 अगस्त को सुनवाई की जाएगी। इससे पहले, तमिलनाडु सरकार ने कहा था कि बारिश की कमी वाले साल में राज्य को कावेरी नदी के पानी का अपना उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है।

जोसफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने तीन अगस्त को उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का पानी तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया था।

मोदी ने भारत को वैश्विक स्तर का रक्षा विनिर्माण केंद्र बनाने के साथ ‘रक्षा शक्ति’ पर बल दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी एवं ड्रोन प्रणाली जैसी उन्नत क्षमताओं में आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर देते हुए भारत को रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनाने की वकालत की और 2047 तक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए सात प्रमुख स्तंभों में ‘रक्षा शक्ति’ को भी शामिल किया। लालकिले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में मोदी ने देश के सामने मौजूद बाहरी और आंतरिक सुरक्षा खतरों का जिक्र किया तथा घोषणा की कि नागरिक सुरक्षाकर्मियों का एक व्यापक नेटवर्क विकसित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली ‘सुदर्शन चक्र’ पर काम तेजी से प्रगति पर है।

मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त को इस परियोजना की घोषणा की थी। ‘सुदर्शन चक्र’ का उद्देश्य महत्वपूर्ण सैन्य और नागरिक प्रतिष्ठानों की रक्षा के लिए भारत की वायु रक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना और दुश्मन के किसी भी खतरे का निर्णायक जवाब देना है। पाकिस्तान और चीन से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों पर चिंताओं के बीच सशस्त्र बल इस परियोजना पर

काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की रणनीतिक ताकत बढ़ाने के लिए घरेलू रक्षा उत्पादन का विस्तार महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना है। दुनिया और भारत ने यह अनुभव कर लिया है कि इसके बिना कोई चारा नहीं है। विश्व जब अपनी–अपनी ही सोच रहा है, तब भारत विश्व के लिए बाजार बनकर नहीं रह सकता है। हमें रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना होगा। मोदी ने कहा, ‘‘नई पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकी विकसित करके हमें वैश्विक आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में लक्ष्य लेकर चलना है। हमें ड्रोन, तथा ड्रोन रोधी प्रणाली विकसित करनी होगी और हाइपरसोनिक रक्षा प्रौद्योगिकी में नेतृत्व करना होगा।’’ मोदी ने देश में रक्षा उत्पादन में हो रही वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि चुनौती सीमा के भीतर हो या सरहद से बाहर, भारत हर परिस्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ‘‘आज युद्ध की प्रकृति बदल रही है। अब युद्ध सीमा पर ही होता है, यह गारंटी नहीं है।’’ प्रधानमंत्री ने कहा कि अब युद्ध के दौरान रिफाइनरी, बैंकिंग सेक्टर, डाटा सेंटर को निशाना बनाया जा रहा है और बुनियादी अवसंरचनाओं व कारखानों को नष्ट किया जा रहा है। मोदी ने भारत के आर्थिक और रणनीतिक उत्थान के लिए एक रोडमैप भी पेश किया। उन्होंने विकास की सप्तधाराओं का उल्लेख किया, जिनके माध्यम से देश को आगे बढ़ाने की योजना है। प्रधानमंत्री ने ‘सप्तधारा’ के तहत विनिर्माण, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, बुनियादी ढांचा, रक्षा, हरित एवं समुद्री अर्थव्यवस्था तथा सॉफ्ट पावर’ को प्रमुख क्षेत्र बताया। मोदी ने सी–295 सैन्य परिवहन विमान परियोजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ‘‘हमने ‘मेड–इन–इंडिया’ विमान के निर्माण की दिशा में सफलता हासिल की है। मेड–इन–इंडिया’ रक्षा परिवहन विमान सी–295 पहले ही उड़ान भर चुका है और सफलतापूर्वक अपनी उड़ान पूरी कर चुका है।’’

लालकिले के लिए रवाना होने से ठीक पहले मोदी ने गायों और मोरों को खाना खिलाते हुए वीडियो साझा किया

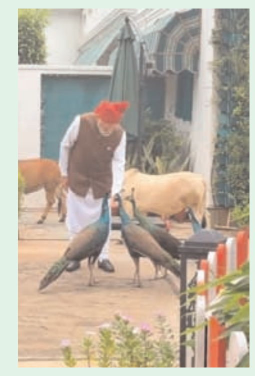

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सुबह की दिनचर्या का एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करने के लिए रवाना होने से पहले लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर गायों को चारा और मोरों को दाना खिलाते नजर आ रहे हैं। मोदी ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, हर सुबह अपने दोस्तों को खाना खिलाना मेरी दिनचर्या है। कल सुबह उन्हें किसी तरह पता चल गया कि मैं जल्दी निकल रहा हूं, इसलिए लालकिले के लिए रवाना होते समय वे मुझसे मिलने आ गए। हमेशा की तरह यह पल खास था। प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया पोस्ट में अक्सर मोर और विशेष नस्ल की छोटी गाय नजर आती हैं। ये कई बार प्रधानमंत्री आवास के परिसर में सुबह की सैर के दौरान उनके साथ दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के लिए पशु–पक्षियों को खाना खिलाना दिनचर्या का हिस्सा है। ये गाय और मोर नई दिल्ली स्थित उनके आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग’ में रहते हैं।

नौसेना का कर्मी, उसकी पत्नी और दो बच्चे दक्षिण मुंबई स्थित घर में मृत मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय नौसेना का 30 वर्षीय एक नाविक, उसकी पत्नी, बेटा और नवजात बेटी दक्षिण मुंबई के नेवी नगर इलाके में स्थित अपने आवास पर मृत मिले। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

कफ परेड पुलिस के अनुसार, नाविक पूरनमल शंभूलाल मेहरा का शव फंदे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी ओमा (28), तीन वर्षीय बेटे यश और दो महीने की बेटी के शव बिस्तर पर मिले। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मेहरा ने आत्महत्या की तथा उनकी पत्नी एवं बच्चों की मौत जहर के कारण हुई। उन्होंने कहा कि शवों को जे जे अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को घटनास्थल से कोई ‘सुसाइड नोट’ नहीं मिला है। भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि नाविक, उनकी पत्नी और दो बच्चे अपने आवास पर मृत मिले। बयान में कहा गया कि पुलिस जांच जारी है और नौसेना हरसंभव सहायता दे रही है।

मणिपुर में विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन, जणगणना से पहले एनआरसी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर में जनगणना शुरू करने से पहले राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की मांग कर रहे विद्यार्थियों ने रविवार को यहां जनगणना संचालन निदेशालय’ के बाहर प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस को उन्हें तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।

‘कैंपेन फॉर जस्ट एंड फेयर डिलिमिटेशन’ (जेएफडी) की छात्र शाखा के सदस्य इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपट में निदेशालय के बाहर इकट्ठा हुए और नारे लगाते हुए मांग की कि राज्य में एनआरसी लागू होने से पहले कोई भी

जनगणना न की जाए।

प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों द्वारा कार्यालय परिसर में घुसने से रोके जाने पर मुख्य द्वार पर ताला लगाने का प्रयास किया। उसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

पुलिस ने बताया कि इस पुलिस कार्रवाई में एक प्रदर्शनकारी को मामूली चोटें आईं। यह विरोध प्रदर्शन जनगणना 2027 के तहत 17 अगस्त से शुरू होने वाली स्वगणना और घरों की सूची बनाने के चरण से एक दिन पहले हुआ। घरों की सूची बनाने का मुख्य काम एक एवं 30 सितंबर के बीच होना है।

शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों ने बिष्णुपुर जिले में मोइरांग महाविद्यालय में गणकों एवं सुपरवाइजरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में खलल डाला था।

जेएफडी मांग कर रहा है कि अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए जनगणना से पहले मणिपुर में एनआरसी करायी जाए, ताकि अवैध प्रवासियों की पहचान हो।

पप्पू यादव छात्र प्रदर्शनकारियों के साथ शामिल हुए, भूख हड़ताल पर बैठे

पटना/भाषा। विपक्षी गठबंधन ‘इंडि’ का समर्थन करने वाले निर्दलीय सांसद पप्पू यादव 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में कथित अनियमितताओं और अन्य मुद्दों को लेकर रविवार को पटना में प्रदर्शन स्थल पर भूख हड़ताल पर बैठ गए। बीपीएससी और बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) की परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के साथ शोधार्थी भी पटना के गर्दनीबाग इलाके में विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें सहायक प्रोफेसर की भर्ती से जुड़े नए नियमों से लेकर राज्य सिविल सेवा परीक्षा में कथित विसंगतियां शामिल हैं। यादव ने कहा कि 70वीं बीपीएससी परीक्षा को रद्द कर नए सिरे से आयोजित किया जाना चाहिए।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ‘‘शोधार्थी पिछले 13 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। न तो मुख्यमंत्री और न ही बिहार के शिक्षा मंत्री उनकी शिकायतों पर ध्यान दे रहे हैं। शिक्षा मंत्री बीपीएससी परीक्षाओं में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) मुख्य परीक्षा का प्रारूप लागू करने की बात कर रहे हैं, जिसका कोई तर्क नहीं है। पूरी व्यवस्था अस्त–व्यस्त है।’’ सांसद ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा में अंकों को लेकर विसंगतियों, प्रश्नपत्रों के बार–बार लीक होने और सरकारी परीक्षाओं में अंग्रेजी भाषा को अधिक महत्व दिए जाने का आरोप लगाया।

हैदराबाद के ईएफएलयू परिसर में अभाविप, एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, 7 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद स्थित अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय’ (ईएफएलयू) परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) और भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) से जुड़े छात्र गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प में कम से कम सात छात्र घायल हो गए।

इस संबंध में दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह झड़प 14 अगस्त को हुई थी, जो एक दिन पहले एक महिला छात्रावास के बाहर अभाविप सदस्यों के प्रदर्शन के दौरान दोनों छात्र गुटों के कार्यकर्ताओं के बीच हुई बहस के बाद शुरू हुई थी।

एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि अभाविप कार्यकर्ताओं ने एक छात्र के खिलाफ जातिसूचक टिप्पणी की और ईएफएलयू छात्र संघ के उपाध्यक्ष के साथ मारपीट की। एनएसयूआई का यह भी आरोप है कि अभाविप सदस्यों के एक समूह ने उन पर लाठियों और कांच की बोतलों से हमला किया, जिससे कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

दूसरी ओर, अभाविप (ईएफएलयू इकाई) का दावा है कि 13 अगस्त को छात्रावास के वार्डन में से एक ने दो छात्रा से अभद्रता की थी जो वहां रहने दिये जाने का अनुरोध कर रही थी। इसके विरोध में अभाविप ने छात्रावास की बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था। अभाविप

का आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया और बहस करके व्यवधान डालने की कोशिश की। पुलिस ने रविवार को जानकारी दी कि इस झड़प में कुल सात छात्र घायल हुए हैं, जिनमें चार एनएसयूआई और तीन अभाविप के सदस्य हैं। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण एनएसयूआई के चार सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उस्मानिया विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने दोनों छात्र संगठनों की ओर से मिली शिकायतों और जवाबी शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में कार्रवाई करते हुए अभाविप के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, एनएसयूआई के सात गिरफ्तार सदस्यों को थाने से ही जमानत दे दी गई है।

केरल सरकार ने जान-बूझकर ‘वंदे मातरम’ का गायन नहीं होने दिया : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने रविवार को आरोप लगाया कि स्वतंत्रता दिवस पर राज्य के आधिकारिक समारोहों में राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम’ नहीं गाने का फैसला यूडीएफ सरकार ने ‘‘जानबूझकर’’ लिया था और चेतावनी दी कि इसके राजनीतिक और ‘‘कानूनी परिणाम’’ होंगे। उन्होंने कहा, हम इसे यूं ही नहीं छोड़ सकते।’’

चंद्रशेखर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस शासित कर्नाटक और तेलंगाना तथा गैर–भाजपा शासित हिमाचल प्रदेश में वंदे मातरम् गाया गया, लेकिन केरल में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन के नेतृत्व वाली सरकार पर इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और ‘‘जमात–ए–इस्लामी के नियंत्रण’’ के कारण लिया गया।

उन्होंने एक दिन पहले नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओर से आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में वंदे मातरम् का पूरा संस्करण गाए जाने का कथित रूप से कांग्रेस नेता सोनिया गांधी द्वारा विरोध किए जाने की भी आलोचना की। नेमोम से भाजपा विधायक चंद्रशेखर ने कहा कि वहां जो हुआ, उसे बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया, जब इस देश द्वारा स्वीकार की गई एक महिला वंदे मातरम् का गायन रोकने की कोशिश करती है, तो इससे पता चलता है कि उनकी राजनीति, हित और लक्ष्य क्या हैं। हमें इसे समझने की जरूरत है। वे राजनीतिक लाभ के लिए किसी भी हद तक गिर सकते हैं।

प्रशासन और सुरक्षाबल जम्मू कश्मीर में शांति बनाए रखने को प्रतिबद्ध : सिन्हा

जम्मू/भाषा। जम्मू–कश्मीर के उप–राज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में शांति भंग करने की कोशिशों को लेकर लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रशासन और सुरक्षा बल शांति बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सिन्हा की यह टिप्पणी विस्थापित कश्मीरी पंडितों द्वारा एक कार्यक्रम में हाल की आतंकी घटनाओं के कारण घाटी में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा की मांग के बीच आई है। सिन्हा ने यहां कश्मीरी पंडित वॉलंटियर्स (केपीवी) के सालाना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘कई चुनौतियां हैं, जिनमें वह भी शामिल है जिसका आपने जिक्र किया। लेकिन मेरा मानना है कि इससे भी बड़ी चुनौतियां हैं जिनसे हमें निपटना है।’’ उन्होंने कहा कि पहले सबसे बड़ी चुनौती यह सोच थी कि जम्मू–कश्मीर में कोई भी राष्ट्रीय ध्वज उठाने को तैयार नहीं होगा।

सिन्हा ने कहा, ‘लेकिन आज आपने देखा है कि तिरंगे को उठाने के लिए कितने सारे कंधे और कितने मज़बूत कंधे तैयार हैं। आज आपने जो देखा, वह उसी बदलाव का एक सशक्त उदाहरण है।’ उपराज्यपाल ने जम्मू–कश्मीर में हाल की आतंकी घटनाओं और शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिशों के बारे में स्वीकार किया कि ऐसी कोशिशें हो रही हैं, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सिन्हा ने कहा, ‘‘माहौल को फिर से खराब करने की कोशिशें की जा रही हैं। लेकिन चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। ज़रूरी मुद्दों पर ध्यान दिया जा रहा है और यह आज शुरू नहीं हुआ है, बल्कि ऐसी कोशिशें कुछ समय से चल रही हैं।’’

गोवा में एक व्यक्ति ने चैटजीपीटी की मदद से ढूंढी अपनी चप्पल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) रोजमर्रा की समस्याओं का अनोखा समाधान भी निकाल सकती है। इसे साबित करते हुए गोवा के एक व्यक्ति ने मंदिर जाने वाले हर श्रद्धालु की सबसे बड़ी परेशानी ’जूतों–चप्पलों के ढेर में अपनी चप्पल की जोड़ी खोजने की समस्या’ को हल करने के लिए ’चैटजीपीटी’ का इस्तेमाल किया। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर के बाहर शुभांग बोरकर ने अपने मोबाइल फोन को ‘‘एक स्कैनर’ की तरह इस्तेमाल किया। वह जूते–चप्पल के रैक की तस्वीरें ‘एआई चैटबॉट’ को भेजते रहे, जब तक कि चैटबॉट ने उनकी गुमशुदा चप्पल को ढूंढ नहीं निकाला।

बोरकर ने चार दिन पहले इंस्टाग्राम पर अपने इस एआई प्रयोग का एक वीडियो साझा किया, जिसका शीर्षक था अपनी खोई हुई चप्पलें ढूंढने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया।

खुद को कामकाजी दिनों में हैकर (साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ) और सप्ताहांत में खुद को घूमने–फिरने का शौकीन बताने वाले बोरकर ने इस वीडियो में दिखाया कि कैसे मंदिर के बाहर जूते–चप्पलों से भरे रैक में से अपनी चप्पल न मिलने पर उन्होंने एआई का सहारा लिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले उन्होंने अपने आसपास रखे जूतों–चप्पलों की पंक्तियों का वीडियो बनाया, जिससे यह साफ दिखा कि इतने सारे जूतों में से एक जोड़ी को पहचानना कितना कठिन था। इसके बाद उन्होंने चैटजीपीटी खोलकर उसमें अपनी चप्पलों जैसी दिखने वाली एक पुरानी तस्वीर अपलोड की।

बोरकर ने चैटबॉट को बताया कि वह महाकाल मंदिर में हैं और बाहर रखी चप्पलों के बीच उनकी चप्पल खो गई है। उन्होंने चैटजीपीटी से जूतों के रैक को स्कैन करके उनकी चप्पलें ढूंढने को कहा। खोज के दौरान वह रैक के हिस्सों की तस्वीरें भेजते रहे, जिससे चैटजीपीटी को सही जोड़ी का मिलान करने में मदद मिली। तस्वीरों का विश्लेषण करने के बाद अंततः एआई टूल ने उन्हें खास जगह रखी चप्पलों की ओर इशारा कर दिया।

भाजपा असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए वंदे मातरम् का मुद्दा उठा रही है : वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम (केरल)/भाषा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में ‘वंदे मातरम’ के पूर्ण संस्करण का गायन संचार का मामला था, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसका इस्तेमाल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए कर रही है। वह यहां करूणागप्पली में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस की आपत्ति के बावजूद पार्टी मुख्यालय में वंदे मातरम् का पूरा संस्करण गाए जाने के बारे में पूछे जाने पर अलाप्पुझा के सांसद वेणुगोपाल ने कहा कि यह कोई मुद्दा नहीं है’, दरअसल यह ‘संचार का मामला’ है।

उन्होंने कहा, ‘‘इस मामले पर कांग्रेस पार्टी का रुख साफ है। महात्मा गांधी से परामर्श के बाद वंदे मातरम को अपनाया गया था और इस प्रक्रिया में पंडित जवाहरलाल नेहरू और रबींद्रनाथ टैगोर भी शामिल थे।’’ वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा समाज को बांटने के मकसद से वंदे मातरम् का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदर्भ देते हुए

कहा, हम वंदे मातरम का सम्मान करने वाले लोग हैं। हम राष्ट्रगान ’जन गण मन’ का भी उतना ही सम्मान करते हैं। अगर वे (भाजपा एवं सरकार के लोग) देश के सम्मान की बात कर रहे हैं, तो सबसे पहले उनसे अरुणाचल प्रदेश में ज़मीन वापस लेने के लिए कहिए। 56 इंच के सीने वाले व्यक्ति के तमाम दावों के बावजूद हमारी अपनी ज़मीन छीनी जा रही है। उन्होंने कहा, ‘‘इस बारे में एक शब्द भी नहीं बोला जाता। यही असली विवाद है।’’ वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि भाजपा देश के सामने मौजूद असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ‘‘वे (भाजपा के लोग) असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए देश के विद्यार्थियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल करते हैं। वे नहीं चाहते कि अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो। हम इस मकसद से खड़े किए गए किसी भी विवाद में फंसने वाले नहीं हैं।’’

उन्होंने आरोप लगाया कि असली मुद्दों को दरकिनार करने तथा लोगों को सांप्रदायिकता और जातिवाद से भड़की भावनाओं की ओर ले जाने की जान–बूझकर कोशिश की गई। कांग्रेस की केरल इकाई में फेरबदल के विषय पर वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी इस पर शीघ्र निर्णय लेगी।

विजय ने तमिलनाडु के अधिकारों की रक्षा करने और भ्रष्टाचार मुक्त शासन सुनिश्चित करने का लिया संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के हितों और संवैधानिक अधिकारों की मजबूती से रक्षा करने, साथ ही एक पारदर्शी, जन-हितैषी और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन बनाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद फोर्ट सेंट जॉर्ज की प्राचीर से अपना पहला स्वतंत्रता दिवस भाषण देते हुए, विजय ने कहा कि उनकी सरकार उन प्रशासनिक मामलों में केंद्र सरकार का सहयोग करेगी जिनसे तमिलनाडु के लोगों को लाभ हो। हालांकि, वे किसी भी ऐसे कदम का कड़ा विरोध करेंगे जो राज्य के हितों को नुकसान पहुंचाता हो या उसके अधिकारों का उल्लंघन करता हो। भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नायकों को श्रद्धांजलि देते हुए, विजय ने कहा कि स्वतंत्रता की सच्ची भावना तभी महसूस की जा सकती है जब लोग दमन के खिलाफ एकजुट हों और जाति, धर्म, भाषा और नस्ल के आधार पर बने भेदभावों से ऊपर उठें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शिता, सच्चाई और ईमानदारी उनके प्रशासन के मार्गदर्शक सिद्धांत बने रहेंगे। सरकार ने सार्वजनिक राजस्व को निजी हाथों में जाने से रोकने और हर स्तर पर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं।

अपनी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए, विजय ने कहा कि 'अम्मा उनावगम' नेटवर्क और नाश्ता योजना को मजबूत और विस्तारित किया जा रहा है ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को फायदा मिल सके। उन्होंने बताया कि किसानों की मदद के लिए फसल ऋण माफ़ी और 'कुरुवई' खेती पैकेज के लिए भी फंड आवंटित किए गए हैं। विजय ने घोषणा की कि 717 तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन शराब की दुकानें बंद कर दी गई हैं और कॉर्पोरेशन के प्रशासन को कंप्यूटराइज़ करने की प्रक्रिया चल रही है। इस कदम का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और कामकाज की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकारी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सरकारी दफ्तरों में आने वाले नागरिकों के साथ सम्मान और शालीनता से पेश आएं। उन्होंने कहा कि सेवाओं को पाने या शिकायतों के समाधान के लिए लोगों को इधर-उधर भटकने पर मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

अपनी सरकार के विकास के विजन को दोहराते हुए, विजय ने कहा कि तमिलनाडु को एक मॉडल राज्य बनाने और इसके स्तर को विकसित देशों के बराबर लाने के लिए लगातार कोशिशें की जाएंगी। इससे पहले, मुख्यमंत्री सुबह करीब 8 बजे अपने नीलांकरई आवास से निकले और आधिकारिक समारोह के लिए फोर्ट सेंट जॉर्ज पहुंचे। उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और उन्होंने खुली जीप से पुलिस परेड का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री विजय ने सुबह करीब 8.45 बजे ध्वजारोहण किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद यह उनका पहला स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण समारोह था।

मेकेदातु बांध के खिलाफ तमिलनाडु का रुख अटल है : मणिकम टैगोर

मदुरै। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष बी. मणिकम टैगोर ने रविवार को कहा कि मेकेदातु बांध के खिलाफ तमिलनाडु का रुख अटल है।

उन्होंने केंद्र से कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय परियोजना को किसी भी कीमत पर मंजूरी नहीं देने का आग्रह किया।

टैगोर ने कहा कि परियोजना को मंजूरी मिलने से राज्य के हितों को गंभीर नुकसान होगा। उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएमके नेता अंबुमणि रामदास और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता नयनार नागेंद्रन सहित क्षेत्रीय नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाया। टैगोर ने पूछा कि भाजपा की कर्नाटक इकाई द्वारा तमिलनाडु को कावेरी का पानी देने का विरोध किए जाने के बावजूद ये नेता इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं।

चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण ने हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण ने 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया। इस मौके पर प्राधिकरण के अध्यक्ष ने सबको बधाई दी और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारत का समुद्री क्षेत्र देश के आर्थिक बदलाव में सबसे आगे है। 'मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030', 'पीएम गति शक्ति', 'सागरमाला' और 'विकसित भारत 2047' जैसी राष्ट्रीय पहल देश के लॉजिस्टिक्स के तौर-तरीकों को नया रूप दे रही हैं।

उन्होंने पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण पैदा हुए हालात का जिक्र करते हुए कहा कि बंदरगाह के कर्मचारियों ने संकट के दौरान टग, लॉन्च और डीज़ल लोकोमोटिव को ईंधन की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की, जिससे कामकाज बिना किसी रुकावट के चलता रहा। बंदरगाह ने मध्य पूर्व जाने वाले ट्रांस-शिपमेंट कार्गो के लिए अलग से यार्ड की जगह दी और व्यापार को बनाए रखने में मदद के लिए डिमरेज माफ़ करने की पेशकश की थी। इन चुनौतियों के बावजूद, बंदरगाह ने अप्रैल और जुलाई के बीच 18.72 मिलियन टन कार्गो संभाला, जो इसके इंफ्रास्ट्रक्चर, वर्कफोर्स और स्टेकहोल्डर इकोसिस्टम की मज़बूती को दर्शाता है। अध्यक्ष ने सीएचपीडीईटी स्कूल की 10वीं और 12वीं कक्षा के टॉपर्स को लैपटॉप और नकद पुरस्कार से प्रोत्साहित किया। उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य सतर्कता अधिकारी अनुग्रह पी भी मौजूद थीं। प्राधिकरण के बोर्ड सदस्य, विभागों के प्रमुख, ट्रेड यूनियन नेता, अधिकारी और कर्मचारी, पोर्ट स्कूल के शिक्षक और छात्र जश्न में शामिल हुए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बारे में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एन. नागेंद्रन ने शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को निशाना बनाते हुए एक टिप्पणी की, जिस पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। मंत्री ए. राजमोहन ने नागेंद्रन के बयान की कड़ी निंदा की। नागेंद्रन की यह टिप्पणी विजय के एक बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन की आलोचना की थी। उनकी टिप्पणी की विभिन्न राजनीतिक दलों ने निंदा की थी।

यहां भाजपा के प्रदेश मुख्यालय कमलालयम में आयोजित पार्टी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नागेंद्रन ने तंज कसते हुए कहा, जब लोगों को घर में पिता नहीं मिलता है तो उन्हें घर में मां से पूछना चाहिए कि पिता कौन है। इन टिप्पणियों के बाद व्यापक विरोध हुआ। कई नेताओं ने इन्हें अपमानजनक और आपत्तिजनक बताते हुए निंदा की। विजय ने अप्रैल 2026 के विधानसभा चुनाव में द्रमुक की हार के बाद विधानसभा में एक संक्षिप्त कथा सुनाई थी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में नेता प्रतिपक्ष के पिता के ठिकाने का जिक्र किया था, जिसे कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में स्टालिन की चुनावी हार से जोड़कर देखा गया था।

द्रमुक समेत कई राजनीतिक दलों ने विजय की टिप्पणी की आलोचना की थी। राजमोहन ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की टिप्पणी की कड़ी निंदा की और इसे एक राजनीतिक नेता के लिए असभ्य और अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि विजय ने अपने साथियों को सिखाया है कि उकसावे या व्यक्तिगत हमलों के बावजूद सभ्य राजनीति करनी चाहिए। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने भी नागेंद्रन की टिप्पणी की निंदा की और कहा कि उन्होंने राजनीतिक मर्यादा व शालीनता की सीमाएं लांघ दी हैं।

इंडियन बैंक की इस सप्ताह ईसीबी से 40 करोड़ डॉलर जुटाने की योजना : प्रबंध निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र का इंडियन बैंक कारोबार विस्तार के लिए इस सप्ताह बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिये 40 करोड़ डॉलर जुटाने की तैयारी में है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बिनोद कुमार ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा का लाभ उठाते हुए बैंक दिसंबर, 2026 तक अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर भी जुटा सकता है। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिनोद कुमार ने रॉयपेट्टा स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

कुमार ने एक साक्षात्कार में कहा कि बैंक की योजना ईसीबी के माध्यम से करीब एक अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा प्रवासी (एफसीएनआर-बी) जमा के जरिये लगभग दो अरब डॉलर जुटाने की है। बैंक अब तक एफसीएनआर-बी जमा के रूप में 1.5 अरब डॉलर जुटा चुका है और उसे आगे भी एनआरआई ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि एफसीएनआर (बी) के बेहतर प्रवाह के कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने निर्धारित समय से पहले ही विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत जमा जुटाने की अवधि समाप्त कर दी। यह सुविधा मूल रूप से 30 सितंबर, 2026 तक उपलब्ध थी, जबकि ईसीबी और विदेशी मुद्रा में अन्य उधारी के लिए समयसीमा 31 दिसंबर, 2026 तक है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 13 अगस्त तक इस योजना के तहत विदेशी ग्राहकों से एफसीएनआर (बी) के जरिये 52.3 अरब डॉलर, विदेशी मुद्रा में अन्य उधारी के जरिये 2.81 अरब डॉलर और ईसीबी के माध्यम से 1.74 अरब डॉलर जुटाए जा चुके थे। 1907 में स्थापित इंडियन बैंक ने 15 अगस्त को अपना 120वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर बैंक ने देश के विभिन्न हिस्सों में 15 शाखाओं का वर्चुअल उद्घाटन किया। बैंक ने साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए आईबी साइबर कैप्टन' नामक साइबर सुरक्षा शुभंकर भी पेश किया। इसके अलावा बैंक ने डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए पंजीकृत मोबाइल नंबर के माध्यम से तीन भाषाओं में वॉयस बैंकिंग सेवा समेत कई डिजिटल पहल शुरू कीं। बैंक के अधिकारियों ने कहा कि इंडियन बैंक वित्तीय समावेशन को मजबूत करने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आइओबी) द्वारा केंद्रीय कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य परेड का आयोजन किया गया। बैंक के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने राष्ट्रगान की धुन के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इसके पश्चात मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। समारोह में कार्यकारी निदेशक जयदीप दत्ता रॉय, धनराज टी., मुख्य सतर्कता अधिकारी पी. कृष्णन तथा बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान बैंक ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वैल्यू एजुकेशन (एनआईवीई) ट्रस्ट को आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों के लिए स्कूल बस की खरीद हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की। इस अवसर पर बैंक के एमडी एवं सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने बैंक द्वारा केंद्रीकृत एनआरआई ऑफिस का औपचारिक उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने कहा कि बैंक शिक्षा, सुगम पहुंच और समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाली सार्थक सीएसआर पहलों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। एनआईवीई ट्रस्ट को प्रदान की गई यह सहायता विद्यार्थियों के लिए परिवहन सुविधा को बेहतर बनाने में मदद करेगी तथा उनके लिए अधिक सुरक्षित और अनुकूल शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करने में योगदान देगी।

द्रमुक और पीएमके ने कर्नाटक में तीन तमिलों की मौत की पारदर्शी जांच की मांग की

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और पट्टालि मक्कल काच्चि (पीएमके) ने कर्नाटक में 15 अगस्त को वन विभाग के कर्मियों की कथित गोलीबारी में मारे गये तीन लोगों के तमिल होने का रविवार को दावा करते हुए इस घटना की पारदर्शी जांच की मांग की। द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने इस घटना की निष्पक्ष न्यायिक जांच और इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने के लिए सख़्त कार्रवाई ज़रूरी है। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा एवं रोजगार दिलाने की अपील की। उन्होंने एक बयान में कहा, ''राज्य के वन क्षेत्र में कर्नाटक वन विभाग द्वारा तीन तमिलों की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना बेहद चौंकाने वाली है।'' पीएमके अध्यक्ष डा. अंबुमणि रामदास ने अधिकारियों के इस दावे पर सवाल उठाया कि वे (तमिल लोग) शिकारी थे। एक बयान में, उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की। पीएमके नेता ने आरोप लगाया कि अधिकारियों का यह दावा कि वे तीनों शिकारी थे, झूठा है। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से दखल देने और कर्नाटक सरकार से हर पीड़ित के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की अपील की।

कांग्रेस विधायक ने खरगे के खिलाफ जातिगत भेदभाव की निंदा के लिए प्रस्ताव पेश किया

मइलाडुतुरा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ उत्तराखंड में कथित जातिगत भेदभाव की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कांग्रेस के विधायक ने रविवार को यहां ग्राम सभा की बैठक में एक प्रस्ताव पेश किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित ग्राम सभा की बैठक में विधायक जमाल मोहम्मद यूनूस वाईएन ने कहा कि मइलाडुतुरै विधानसभा क्षेत्र की सभी 54 ग्राम पंचायतों में इसी तरह के प्रस्ताव पारित करने के निर्देश दिए गए हैं। विधायक के अनुसार, हाल में उत्तराखंड में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद जब खरगे वहां से चले गए तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कथित रूप से जुड़े लोगों ने ''शुद्धीकरण'' के नाम पर गंगाजल से सभा स्थल को धोया। विधायक ने बैठक के दौरान कहा, ''हम इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''खरगे कई दशकों से कई बार सांसद रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और राज्य सरकार में मंत्री के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं और वर्तमान में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। केवल अनुसूचित जाति से होने के कारण इतने कद्दावर नेता के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाना बेहद निंदनीय है।''

उदयनिधि ने राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारी के बढ़ते चलन को लेकर टीवीके सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने राजनीतिक विरोधियों, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और युवा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर की जा रही गिरफ्तारियों के बढ़ते चलन को लेकर रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार की आलोचना की। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कानूनी शाखा की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रशासन के कदमों को फासीवादी बताया और अधिकारियों पर भाषण और सोशल मीडिया पोस्ट के कारण लोगों को हिरासत में लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, अगर आप बोलते हैं तो गिरफ्तारी हो जाती है। अगर आप सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो गिरफ्तारी हो जाती है। यह सरकार अपनी गहरी असुरक्षा की भावना के कारण फासीवादी शासन की तरह काम कर रही है। ऐसा लगता है जैसे वे हर सुबह एक कार्य सूची और समय-सारणी के साथ उठते हैं कि अगला किसे गिरफ्तार करना है।

अपनी हालिया गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए उदयनिधि ने कहा, जब पुलिस सुबह आठ बजे मेरे घर पहुंची, तब मैं अखबार पढ़ रहा था। मुझे लगा कि वे इस अक्षम सरकार की आलोचना करने के कारण मुझे गिरफ्तार करने आए हैं, लेकिन उनके पास कोई ठोस जवाब नहीं था। हमारी कानूनी टीम त्वरित गति से मद्रास उच्च न्यायालय पहुंची और सुनिश्चित किया कि न्याय मिले। तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री को लोकप्रिय अभिनेत्री तृशा के संदर्भ में कथित द्विअर्थी टिप्पणी करने और उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप में चार अगस्त को गिरफ्तार किया गया था।

द्रमुक नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जान-बूझकर युवा कार्यकर्ताओं और जेन-जेड युवाओं को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा, यह सरकार जेन-जेड युवाओं से डरी हुई है जो हमारी विचारधारा के पक्ष में आवाज उठा रहे हैं। वे उनके परिवारों में डर पैदा करने के लिए उन्हें निशाना बनाते हैं। हमारी कानूनी शाखा को इन युवा आवाजों की सुरक्षा के लिए एक अभेद्य किले की तरह काम करना चाहिए।

इस बीच, द्रमुक की कानूनी इकाई ने एक प्रस्ताव पारित कर हाल ही में तंजावुर में किसानों के समर्थन में बोलने पर उदयनिधि की गिरफ्तारी के लिए टीवीके सरकार की कड़ी निंदा की। एक और प्रस्ताव में सोशल मीडिया मंच पर विपक्ष के नेता के बारे में अपमानजनक बातें फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई न करने के लिए राज्य सरकार की निंदा की गई।

केंद्र को मौजूदा लोकसभा सीट पर ही महिलाओं को आरक्षण देना चाहिए : द्रमुक नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता ईवीकेएस एलंगोवन ने लोकसभा में सीट संख्या बढ़ाकर महिला आरक्षण लागू करने में हो रही देरी को महिलाओं का अपमान बताते हुए रविवार को जोर देकर कहा कि केंद्र को सदन में मौजूदा सीट संख्या के आधार पर ही महिला आरक्षण लागू करना चाहिए। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लोगों को धोखा देने का आरोप भी लगाया।

द्रमुक नेता ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने पेश किया था और उस समय भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसका विरोध किया था। एलंगोवन ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से बातचीत में तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाली सरकार के पहले 100 दिनों के कार्यकाल के प्रदर्शन की भी आलोचना की। उन्होंने लोकसभा सीट संख्या बढ़ाने के साथ 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को जोड़ने के केंद्र के तर्क की आलोचना की।

एलंगोवन ने कहा, उन्हें (केंद्र सरकार को) मौजूदा सीट पर ही महिला आरक्षण लागू करना चाहिए। उन्होंने सीट संख्या बढ़ाने में हो रही देरी को महिलाओं का अपमान बताया। द्रमुक नेता ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साधते हुए टीवीके सरकार के पहले 100 दिनों के कथित खराब प्रशासनिक प्रदर्शन की आलोचना की और इसे शून्य बताया। एलंगोवन ने आरोप लगाया कि टीवीके सरकार ने केवल मौजूदा योजनाओं के नाम बदलने का काम किया है।

उन्होंने कहा, उनकी एकमात्र विचारधारा हर तरह से द्रमुक पर हमला करने की है। एलंगोवन ने मुख्यमंत्री विजय के सरकार के खिलाफ साजिश को नाकाम करने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार के पास पूर्ण बहुमत नहीं है और वह उन दलों पर काफी निर्भर है, जिन्होंने द्रमुक के साथ गठबंधन के तहत चुनाव जीता था। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार अपने वादे पूरे करने में विफल रहती है, तो ये सहयोगी दल अपना समर्थन वापस ले सकते हैं।

सवारी डिब्बा कारखाना

निम्नलिखित ई-निविदाए आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मो से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉगइन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाएं। इस निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा संख्या	सामग्री का वर्णन	निविदा का मूल्य	निविदा बंद होने की तारीख और समय
2026440 212294	''3 वर्ष की अवधि के लिए शेल डिविज़न / सडिका के शॉप 12 में स्थित होरिज़ोन्टल ड्रिल्लिंग और टैपिंग मशीन (इनवॉइस नंबर 2192) हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध'' का कार्य अनुबंध।	₹ 63,40,653/-	31.08.2026 को 15.00 बजे
20264762 12078RT2	शेल डिविज़न/सडिका के शॉप 23 में स्थित ग्रिट ब्लास्टिंग संयंत्र (इनवॉइस नंबर 2517) का रीकंडीशनिंग।	₹ 58,25,562/-	31.08.2026 को 15.00 बजे

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/संयंत्र

सवारी डिब्बा कारखाना

निम्नलिखित ई-निविदाए आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मो से अनुरोध है कि वे **www.ireps.gov.in** पर लॉगइन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाएं। इस निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्र. सं.	खुली निविदा सं.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	लगभग मूल्य रुपये में	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय
1	2026377 212323	A) नई रॉ और मेट्रो पानी की पाइपलाइनें: ईस्ट कॉलोनी से फर्निशिंग फैक्ट्री तक और मेन पंप हाउस से ब्लॉक 165 तक (B) GLR और OHT में लीकेज की मरम्मत और साउथ कॉलोनी में पंप हाउसों का इंटरकनेक्शन। (C) साउथ कॉलोनी में नया GLR और OHT (D) ईस्ट कॉलोनी में 3.00 लाख क्षमता वाले GLR – 2 यूनिट (E) शेल फैक्ट्री में OHT और GLR (F) ईस्ट कॉलोनी में 3 लाख लीटर क्षमता वाले GLR का पुनर्निर्माण – 2 यूनिट	₹ 5.93 करोड़	दिनांक 04.09.2026 को 10.30 बजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पॉलिटेक्निक स्कूल ऑफ एजुकेशन

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित पॉलिटेक्निक स्कूल ऑफ एजुकेशन में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झंडारोहण करते हुए बाबूसिंह नोरवा व जगदीश गोगड़।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल

बेंगलूरु के पद्मनाभ नगर स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल परिसर में ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गोयल के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर समाज के वरिष्ठों ने मिलकर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ भवन दासरहल्ली

बेंगलूरु के तेरापंथ सभा ट्रस्ट, परिषद व महिला मंड्ल के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट से लादुलाल बाबेल, भगवतीलाल मांडोत, विनोद मेहर, प्रकाश गाँधी, सुरेन्द्र मेहर, कमलेश चावत, कन्हैयालाल गाँधी, प्रवीण बोहरा, तेयुप के सुनील दक, दिलीप पितलिया, कल्पेश चावत, राकेश चावत, देवीलाल गाँधी एवं महिला मण्डल से गीता बाबेल, किरण मेहर आदि झंडारोहण पर उपस्थित थे।

तेरापंथ सभा बेंगलूरु को 'श्रेष्ठ सभा' पुरस्कार मिला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश बाबेल के नेतृत्व में लाडनूं में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में महासभा प्रतिनिधि सम्मेलन में प्रतिनिधि मंडल शामिल हुआ।

इस अवसर पर देश विदेश की लगभग 658 तेरापंथी सभाओं से लगभग 2000 प्रतिनिधियों की उपस्थिति में महासभा द्वारा बेंगलूरु तेरापंथ सभा के निवर्तमान अध्यक्ष पारसमल भंसाली,मंत्री विनोद छाजेड़ एवं सम्पूर्ण टीम के सफलतम कार्यकाल में कृत कार्य हेतु सभा को 'श्रेष्ठ सभा' के रूप में पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर सभा उपाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, विनय बैद, मंत्री सुभाष पोखरणा, सहमंत्री सुरेश मांडोत, कोषाध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल सहित महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा, दक्षिण कर्नाटक आंचलिक प्रभारी महेंद्र दक, नवनीत मुथा आदि भी उपस्थित थे।

'कर्नाटक का विकास देश के विकास को और मज़बूत करेगा'

राज्यपाल ने लोक भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लोक भवन में महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में सबको शुभकामनाएं देते हुए कहा, 'कर्नाटक अपनी समृद्ध संस्कृति, ज्ञान-परंपराओं, इनोवेशन और विविधता में एकता की भावना के लिए जाना जाता है।

कर्नाटक की धरती पर वीरता और देशभक्ति की शानदार परंपरा रही है और इसने स्वतंत्रता संग्राम में उल्लेखनीय योगदान दिया था।' उन्होंने कहा, 'बेंगलूरु, भारत की टेक्नोलॉजी और इनोवेशन क्षमताओं के प्रतीक के तौर पर उभरा है। कर्नाटक के प्रतिभाशाली युवा, वैज्ञानिक, उद्यमी, किसान, मज़दूर, शिक्षक और महिलाएं न सिर्फ़ राज्य के विकास में, बल्कि देश के निर्माण में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कर्नाटक का विकास देश के विकास को और मज़बूत करेगा।'

उन्होंने कहा, 'गृह ज्योति, अन्न भाग्य, शक्ति, गृह लक्ष्मी और युवा निधि जैसी प्रमुख पहल लोगों को मदद पहुंचा रही हैं। ज़रूरतमंदों को आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। आर्थिक विकास को मज़बूत करने के साथ, हमारा लक्ष्य ऐसा कर्नाटक और भारत बनाना होना चाहिए जहां सामाजिक न्याय, समान अवसर, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण संरक्षण और मानवीय गरिमा सुनिश्चित हो।'

रोहित बने अग्रवाल युवा संघ के अध्यक्ष व विनायक बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय अग्रवाल समाज कर्नाटक की शाखा अग्रवाल युवा संघ की नई कार्यकारिणी समिति का गठन एक होटल में समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी की उपस्थिति में हुआ। नई कमेटी में रोहित केडिया को एक बार पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सचिव विनायक बजाज, साहिल केडिया, रोशन सुल्तानिया, गौरव अग्रवाल, प्रितेश गर्ग को उपाध्यक्ष, कमल बंसल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपने विचार व्यक्त करते हुए साथ मिलकर कार्य करने की बात कही। महिला शाखा की अध्यक्ष नीरु तायल ने नई टीम को शुभकामनाएं दी।

'वंदे मातरम' गाकर लिया राष्ट्रीय एकता का संकल्प

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बीएसएफ के सब्सिडियरी ट्रेनिंग सेंटर (एसटीसी) में 14 अगस्त को 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन हुआ। यह कार्यक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय और बीएसएफ के फ़ोर्स हेडक्वार्टर के निर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसटीसी बीएसएफ बेंगलूरु के महानिरीक्षक दिनेश कुमार यादव मुख्य अतिथि थे। इसमें बीएसएफ अधिकारियों, एसओएस, ओआर और एसटीसी बीएसएफ बेंगलूरु और एफटीआर मुख्यालय ओडिशा के प्रशिक्षुओं के अलावा कॉलेज के 200 से ज्यादा छात्रों, एसवीसीईई के संकाय सदस्यों और बीएसएफ कर्मियों ने शिरकत की।

दिनेश कुमार यादव ने समारोह को संबोधित करते हुए 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक महत्त्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर ज़ोर दिया कि इसे सामूहिक रूप से गाना केवल एक औपचारिक गतिविधि नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और देश के लिए प्रतिबद्धता की एक सशक्त अभिव्यक्ति है। इस अवसर पर सबने एकता, अखंडता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को बनाए रखने का संकल्प लिया।

दपरे के बेंगलूरु मंडल ने स्वतंत्रता दिवस मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल ने एमजी रेलवे कॉलोनी के रेलवे ग्राउंड में 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल, छात्रों, स्काउट्स एंड गाइड्स की परेड का निरीक्षण किया। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। आशुतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, संचालन, यात्री सेवाओं, डिजिटलीकरण और स्थिरता के क्षेत्रों में मंडल की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि 161 किमी लंबे येलहंका-धर्मावरम रूट पर सेक्शनल स्पीड को बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। नौ लेवल क्रॉसिंग हटाए गए हैं, 13 रोड अंडर ब्रिज शुरू किए गए हैं और लगभग 174 किमी की सुरक्षा फेंसिंग का काम पूरा हो गया है।

उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मंडल में 18 स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा बेंगलूरु कैंटोनमेंट स्टेशन को 485 करोड़ रुपए की लागत से फिर से विकसित किया जा रहा है। यशवंतपुर स्टेशन को 378 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है। बाद में, 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। दपरे महिला कल्याण संगठन (एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने रेलवे अस्पताल में मरीज़ों को फल, ब्रेड और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ बांटे।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मंडल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कतारकी, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्रेयांस चिंचवाड़े, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी उमा शर्मा, एसडब्ल्यूआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की बेंगलूरु मंडल अध्यक्ष रीना सिंह, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिजन और अनेक लोग मौजूद थे।

लग्जरी अफेयर वेडिंग लाइफस्टाइल एक्सपो का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दो दिवसीय लक्ज़री अफेयर वेडिंग लाइफस्टाइल एक्सपो-सीज़न 18 का आयोजन होटल हयात रीजेंसी मे किया गया। यह एक्सपो उन लोगों के लिए आयोजित किया गया जो अपनी शादी को एक शानदार और आकर्षक तरीके से मनाने की इच्छा रखते है । इस भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने एक्सपो के संस्थापक मिशेल प्रवीण और बूम कार्स के प्रबंध निदेशक हाजी अली की उपस्थित में किया। इस अवसर पर मिशेल प्रवीण ने कहा कि यह प्रदर्शनी सह सेल एक ही स्थान पर शादी के दिन के लिए विशेष उत्पादों और जीवनशैली से जुड़ी वस्तुओं का चयन प्रदान करता है विशेष रूप से दुल्हन के परिधान और आभूषणों से लेकर सौंदर्य उत्पाद, सजावट और जीवनशैली की वस्तुओं तक सब कुछ इस प्रदर्शनी में उपलब्ध है इसके साथ ही शादी की सजावट, उपहार, निमंत्रण पत्र, फोटोग्राफी, आतिथ्य सत्कार, घर की सजावट और विलासितापूर्ण सेवाएं एक ही छत के नीचे सुविधाजनक रूप से उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि शादी की योजना बनाने वाले और विलासितापूर्ण जीवनशैली चाहने वालों के लिए नए अनुभव और विशेष विकल्प प्रदान करने नवीनतम फैशन और लग्जरी ट्रेंड्स को एक ही स्थान पर प्रदर्शित करता है।

दक्षिण रेलवे के मुख्यालय पर हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के दक्षिणी रेलवे ने 15अगस्त को पेरम्बूर स्थित रेलवे स्टेडियम में अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक यू. सुब्बा राव ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के आईजी-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त के. अरुल ज्योति की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आरपीएफ टुकड़ियों तथा सेंट जॉन्स एम्बुलेंस ब्रिगेड की परेड को सलामी दी। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में अतिरिक्त महाप्रबंधक विपिन कुमार, दक्षिणी रेलवे के प्रधान विभागाध्यक्ष, मंडल रेलवे प्रबंधक/चेन्नई शैलेंद्र सिंह, दक्षिणी रेलवे महिला मुख्यालय संगठन की अध्यक्ष श्रीमती यू. ललिता देवी, अधिकारी एवं कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य तथा दक्षिणी रेलवे के मान्यता प्राप्त श्रमिक संघों और संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यहां मिंजूर स्थित श्री चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज के एनसीसी ग्राउंड में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या, अध्यापकगण, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, यूनिट-ख, डॉ. एस. सीतारामन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी विशिष्ट अतिथियों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। प्रभारी प्राचार्या डॉ. एन. सुजाता द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद एनसीसी कैडेट्स ने ध्वज सलामी एवं ध्वज गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वातावरण देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो गया। एनसीसी कैडेट्स का रैंक समारोह एवं पुरस्कार वितरण आयोजित किया गया। हर घर तिरंगा 2026 विषय पर सीडीटी. मुगिलन, बी.कॉम. द्वारा ध्वज क्षेत्र की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं देशभक्ति की भावना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के सांस्कृतिक भाग में विद्यार्थियों द्वारा सिलंबम प्रदर्शन, सांस्कृतिक नृत्य एवं पिरामिड प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। इन प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन, टीम भावना एवं देशभक्ति को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया।

व्यवहार प्रबंधन से जीवन प्रबंधन की ओर बढ़े युवा : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वेपेरी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान एवं आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. की पावन निश्रा में रविवार को युवा शिविर-3 का आयोजन हुआ्। 'बिहेवियर मैनेजमेंट' विषय पर आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता की। संघ ट्रस्टियों द्वारा दीप प्रज्वलन से शुभारंभ हुआ्। संघ सचिव आकाश जैन ने स्वागत किया। लाभार्थी शांतिबाई जवाहरमल चंदन, सांचौर परिवार का करतल ध्वनि से अभिनंदन किया गया। संगीतकार ध्वनिल कसूडिया ने वंदेमातरम् एवं देशभक्ति गीतों से वातावरण को राष्ट्रभावना से गुंजायमान कर दिया।

'बिहेवियर मेनेजमेंट' समझाते हुए उन्होंने पत्थर तराशते शिल्पी का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रतिमा पत्थर में पहले से मौजूद होती है, शिल्पी केवल उसका अनावश्यक हिस्सा हटाता है। इसी प्रकार जीवन में हमेशा कुछ जोड़ना ही जरूरी नहीं, बल्कि अपने भीतर के दोषों को माइनस करना अधिक आवश्यक है। उन्होंने चार परिबलों अपेक्षा, आग्रह, आवेश और अहंकार को जीवन से हटाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि इससे व्यवहार प्रबंधन स्वतः बेहतर हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि जीवन के अधिकांश दुखों की जड़ अपेक्षा है। 'आई', 'यू' और 'लव' का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि अपेक्षाएं पूरी न होने पर प्रेम की कड़ी कमजोर पड़ जाती है। गीता के संदेश का संदर्भ देते हुए कहा कि पुरुषार्थ करना हमारे हाथ में है, फल क्या मिलेगा यह हमारे हाथ में नहीं्। इसलिए अपेक्षाएं कम कर जीवन को सुखी और शांत बनाना चाहिए। माता-पिता की भूमिका पर आचार्यश्री ने ओवर केयरिंग, ओवर डेरिंग और प्रॉपर शेयरिंग पेरेंट्स के तीन प्रकार बताए। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुविधाएं देने के साथ संघर्ष और आत्मनिर्भरता भी सिखानी चाहिए, जैसे पैसा कमाना सिखाएं तो बचाना भी सिखाएं्। उन्होंने अभिभावकों से आत्ममंथन करने का आह्वान किया कि वे इन तीनों में किस श्रेणी में आते हैं। आग्रह को अपेक्षा से भी अधिक खतरनाक बताते हुए उन्होंने कहा कि रोटी गर्म ही चाहिए, यह आग्रह है। छोटी-छोटी बातों को बड़ा मत बनाइए, वरना आप स्वयं छोटे हो जाएंगे। आवेश के संदर्भ में उन्होंने कहा कि क्रोध सुख, शांति और संबंधों को प्रभावित करता है। परिवार में एक सदस्य गरम हो तो दूसरे को नरम बनकर संतुलन कायम करना चाहिए्। अहंकार पर उन्होंने कहा कि जीवन को 'अहम' और 'वहम' नुकसान पहुंचाते हैं। इस अवसर पर पंन्यास ज्ञानबोधि विजयजी ने धर्म के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म के प्रभाव से जीवन में संस्कार, सुंदरता, धन, नाम और प्रतिष्ठा का विकास होता है। उन्होंने 5 'एफ' के सूत्र के माध्यम से धर्म को पूरे भाव एवं शक्ति के साथ करने की प्रेरणा दी। शिशु संस्कार शिविर का भी आयोजन हुआ।

ज्वाला लक्ष्मी मंदिर में सजा माता का दरबार

बेंगलूरु। शहर के आरटीनगर के मंजुनाथ लेआउट स्थित श्री संजीवनी ज्वाला लक्ष्मी मंदिर में ज्वालामालिनी के गहन साधक गुरु सत्यज्वालाजी के पावन सान्निध्य में विमल शान्ति महिला मंडल श्रीरामपुरम-लक्ष्मीनारायणपुरम द्वारा ज्वालामालिनी माताजी की भक्ति एवं पूजन किया गया। इस महिला मंडल ने माता के दरबार में भक्तिगीतों की बौछार लगा दी। चन्द्रप्रभु अधिष्ठायिका दुःख नाशक सुखकार, लाखों स्वर्गों से भला ज्वाला तेरा दरबार...।' इस अवसर पर भक्तिरस में डूबे मंडल ने मंदिर परिसर में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं का मन मोहा। गुरु सत्यजवाला ने अपने उद्बोधन में ज्वालामालिनी माता की असीम महिमा का वर्णन करते हुए कई प्रेरक दृष्टांत सुनाए्।

उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने माताजी की आरती एवं ज्योत का लाभ लिया। भक्तों द्वारा जलाए गए नवदीपों की रोशनी से मां का दरबार जगमगा उठा। महिला मंडल से संतोष संघवी, चन्दा कोठारी, भारती छाजेड़, संगीता श्रीमाल, संतोष बरलोटा, संगीता जारसुथा, कल्याणी बोहरा एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविकाओं में कांतिलाल सकलेचा, महावीर जैन, निर्मल रांका, विमल जैन, वंदना छाजेड़, निर्मला बाफना, इन्द्रा सकलेचा, पुष्पाबेन, मधुबेन, सारिका बेन सहित अनेक की उपस्थिति थी।

प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा के शीर्ष नेताओं ने वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और देश की प्रगति में उनकी अतुलनीय भूमिका को याद किया। मोदी और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में यमुना किनारे स्थित वाजपेयी के समाधि स्थल सदैव अटल' पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। दिल्ली सरकार ने कम आय वाले परिवारों को स्वच्छ और रियायती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए 25 नई अटल कैंटीन' शुरू की।

वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में हुआ था और उन्होंने 16 अगस्त 2018 को नई दिल्ली में अंतिम सांस ली। वह प्रधानमंत्री बनने वाले भाजपा के पहले नेता थे। मोदी ने वाजपेयी को असाधारण राजनेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, अटल जी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। वह एक असाधारण राजनेता थे, जिनकी दूरदृष्टि अद्भुत थी। उन्होंने अपना जीवन हमारे राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वाजपेयी के शब्दों और प्रयासों ने पीढ़ियों को प्रेरित किया तथा उनके नेतृत्व ने देश को मजबूत किया। मोदी ने कहा, सुशासन और जनकल्याण पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी वाजपेयी के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने आर्थिक और सामाजिक विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कीं। सिंह ने कहा, भारत की प्रगति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनका व्यक्तित्व, आदर्श और राष्ट्र सेवा के प्रति अटूट समर्पण हमेशा हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। भाजपा अध्यक्ष नवीन ने भी वाजपेयी के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, ''अटल जी एक महान राजनेता और दूरदर्शी नेता थे। उनका पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, ईमानदारी और सुशासन के प्रति समर्पित रहा। उनके आदर्श राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारा हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में वाजपेयी की प्रतिमा पर फूल चढाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने कहा, अटल जी जितने सहज और सरल थे, अपने संकल्प के प्रति उतने ही दृढ़ थे। कारगिल संघर्ष के दौरान दुनिया ने उनके दृढ़ निश्चय और मजबूत इरादों को देखा। उनकी पावन स्मृतियों को नमन।'' केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ''वाजपेयी करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में अटल जी का विचारधारा और सिद्धांतों से जुड़ा जीवन हमेशा राष्ट्र को समर्पित रहा।'' केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा के संस्थापक वाजपेयी करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए उन्होंने सुशासन, विकास और राष्ट्रीय गौरव की जो मजबूत नींव रखी, वह हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।'' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी वाजपेयी के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गुप्ता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने उनके जैसे अनगिनत कार्यकर्ताओं में राष्ट्रसेवा, संगठनात्मक अनुशासन और सार्वजनिक जीवन की गरिमा के संस्कार विकसित किए।

'एजेंडा मोदी को बचाना है, महिलाओं का आरक्षण नहीं'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विपक्षी दलों से महिलाओं को आरक्षण देने के लिए परिसीमन से जुड़े विधेयक का समर्थन करने की अपील को ''नाटक'' करार दिया और आरोप लगाया कि उनका एकमात्र एजेंडा मोदी को बचाना है, महिलाओं का आरक्षण नहीं। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी की अपील की मंशा पर सवाल उठाया और कहा कि उन्हें लाल किले से ''उपदेश देने'' के बजाय 2029 के लोकसभा चुनाव के लिए मौजूदा लोकसभा की सदस्य संख्या के आधार पर ही महिलाओं को आरक्षण लागू करना चाहिए। प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन में विपक्षी दलों से की गई अपील के बारे में सवाल पर रमेश ने कहा कि घटनाक्रम को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 1993 में 73वें और 74वें संविधान संशोधन विधेयक पारित किए गए थे, जिनमें पंचायतों, जिला परिषदों, प्रखंड पंचायतों और नगरपालिकाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया था।

रमेश ने कहा कि राजीव गांधी ने इसके लिए जमीनी स्तर पर काम किया था और संविधान में इस प्रावधान को शामिल कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने कहा, सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 सर्वसम्मति से पारित किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी ने स्पष्ट रूप से कहा था कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण तत्काल लागू किया जाना चाहिए। रमेश ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल बार-बार मांग करते रहे हैं कि महिलाओं के लिए आरक्षण लोकसभा की मौजूदा 543 सदस्यीय संख्या के आधार पर लागू किया जाए। इसका मतलब है कि महिलाओं के लिए 182 सीटें आरक्षित की जाएं। उन्होंने कहा कि अचानक, 16 अप्रैल 2026 को रात 11 बजे, जब संसद में परिसीमन के मुद्दे पर विचार-विमर्श चल रहा था, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को अधिसूचित कर दिया गया। रमेश ने कहा कि सरकार की दिलचस्पी केवल महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से जोड़ने में है। उन्होंने कहा कि सरकार दागी ''दो-तिहाई बहुमत'' हासिल करने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मानसून सत्र में भी पेश नहीं किया जा सका। रमेश ने कहा, ''उनके पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और उन्हें यह बहुमत कभी नहीं मिलेगा।''

देशभक्ति से जुड़ी हर चीज का विरोध करना 'कांग्रेस की नीति': वंदे मातरम् के 'अपमान' को लेकर भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को आरोप लगाया कि देशभक्ति से जुड़ी किसी भी चीज का विरोध करना कांग्रेस की नीति है और सवाल किया कि भारत की संप्रभुता और अखंडता में विश्वास रखने वाला कोई व्यक्ति स्वतंत्रता दिवस पर 'वंदे मातरम' गाने से क्या 'नाराज' होगा। सत्तारूढ़ दल भाजपा ने मांग की कि यदि कांग्रेस में जरा भी देशभक्ति है तो वह राष्ट्रगीत के ''अपमान'' के लिए 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। इस टिप्पणी से पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि शनिवार को पार्टी के स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने उसके प्रति घोर 'अनादर' दिखाया।

कांग्रेस ने यह कहते हुए इस आरोप को खारिज किया कि राष्ट्र गीत का पूरा संस्करण गाने से रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई थी, बल्कि सोनिया गांधी सिर्फ पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मांग रही थीं, क्योंकि

वह कुछ समय से खड़े थे।

पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने यहां एक प्रेसवार्ता में कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर राहुल और सोनिया गांधी द्वारा वंदे मातरम का विरोध दिमागी 'नक्सल समर्थन तंत्र' वाली मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, क्या कोई देशभक्त, कोई भी भारतीय जो भारत के संविधान में विश्वास रखता हो, तिरंगे का सम्मान करता हो, भारत के स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करता हो और भारत की संप्रभुता और अखंडता में यकीन रखता हो, वह कभी स्वतंत्रता दिवस पर वंदे मातरम गाने से नाराज़ हो सकता है? भंडारी ने कहा, ''कांग्रेस ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ने वालों का ही नहीं, बल्कि देश के संविधान, उसकी संप्रभुता और अखंडता एवं देश के 140 करोड़ लोगों का भी अपमान किया है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में लालकिला की प्राचीर से अपने संबोधन में व्यवस्था में घुसपैठ कर चुके 'दिमागी नक्सलियों' के ख़िलाफ चेतावनी दी थी और लोगों से उन्हें पहचानने एवं अलग-थलग करने की अपील की थी। भंडारी ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' गायन को रोकने का इशारा किया और बाद में जब यह जारी रहा तो उन्होंने नाराज़गी जताई। उन्होंने कहा, अगर आप वीडियो को ध्यान से देखें, तो जब कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में वंदे मातरम' गाया जा रहा था, तब सोनिया गांधी ने हाथ से इशारा करके उन्हें रुकने के लिए कहा। उन्होंने इशारा किया कि कांग्रेस पार्टी मुख्यालय में 'वंदे मातरम' का गायन रोक दिया जाना चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, ''जब उनकी (सोनिया गांधी की) बात नहीं सुनी गई, तो उन्होंने दूसरी बार इशारा किया और कहा कि इसे रोका जाना चाहिए।''

भंडारी ने दावा किया कि 'वंदे मातरम' गाए जाने के बाद राहुल गांधी को यह कहते हुए सुना जा सकता था कि हमें वंदे मातरम गाने की जरूरत नहीं है। भाजपा प्रवक्ता ने मीडिया के सामने एक कथित ऑडियो क्लिप भी चलाई।

'वंदे मातरम' विवाद को लेकर सोनिया गांधी माफी मांगें : बंकिम चंद्र के वंशज सुमित्रो चटर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मांग की है कि वह स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में हुई 'वंदे मातरम' के गायन से जुड़ी कथित घटना को लेकर बिना शर्त माफी मांगें। चटर्जी ने दावा किया कि कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम्' का पूरा संस्करण गाए जाने को लेकर असहजता नजर आई और इसे रोकने के बार-बार प्रयास किए गए। चटर्जी ने गांधी को लिखे पत्र में कहा कि 15 अगस्त को जब देश अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा था, तब हुई कथित घटना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि एक ऐतिहासिक भूल का शर्मनाक दोहराव भी है।

नैहाटी से विधायक चटर्जी ने कहा कि वह एक सामान्य नागरिक, देशभक्त और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज के रूप में यह पत्र लिख रहे हैं। उन्होंने इस घटना

को लेकर ''गहरा दुख, खालीपन और आक्रोश'' व्यक्त किया। चटर्जी ने श्री अरविंद के इस कथन का उल्लेख किया कि इस मंत्र ने राष्ट्र को देशभक्ति के ''धर्म'' की दीक्षा दी थी और कहा कि स्वतंत्र भारत की धरती पर 'वंदे मातरम' को पूरा गाने में कथित हिचक खुदीराम बोस जैसे शहीदों के बलिदान का अपमान है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में इस गीत की भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरला देवी चौधरानी ने 1905 में कांग्रेस के बनारस अधिवेशन में इसे गाया था, बाल गंगाधर तिलक के समर्थकों ने 1909 में उन पर राजद्रोह के मुकदमे के दौरान इसका गायन किया था और हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय में राष्ट्रवादी विद्यार्थियों ने 1938 में निजाम की पाबंदियों के बावजूद इसे अपने आंदोलन का नारा बनाया था। चटर्जी ने 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा इस गीत की प्रस्तुति का भी उल्लेख किया।

प.बंगाल में कारोबारी के बेटे के अपहरण के आरोप में भाजपा नेता गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में माल लदे वाहनों से रंगदारी वसूलने और कारोबारी के परिवार से मांगी गई रकम नहीं देने पर उसके बेटे का अपहरण करने के आरोप में भाजपा के एक नेता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान भाजपा के तुफानगंज-4 मंडल उपाध्यक्ष विश्वजीत तालुकदार के रूप में हुई है। पड़ोसी अलीपुरद्वार जिले के कारोबारी ने बक्सीरहाट थाने में तालुकदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपी ने उससे रंगदारी की मांग की और मांग पूरी नहीं होने पर उसके बेटे का अपहरण कर लिया।

अधिकारियों ने बताया कि तालुकदार को शुक्रवार देर रात तुफानगंज स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी पर पश्चिम बंगाल और असम को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले मालवाहक वाहनों तथा पत्थर लदे डंपरों से नियमित रूप से पैसे वसूलने का भी आरोप है। इन आरोपों को लेकर भाजपा के भीतर से भी आलोचना सामने आई है। स्थानीय भाजपा नेता कमल दास ने आरोप लगाया कि तालुकदार मछली, मुर्गी और सुपारी समेत अन्य सामान ले जाने वाले वाहनों से पैसे वसूलता था। दास ने कहा, हम ऐसा नेता नहीं चाहते जो पार्टी के नाम पर रंगदारी वसूलता हो। उसे सजा मिलनी चाहिए। भाजपा के कूचबिहार जिला उपाध्यक्ष बिराज बसु ने कहा कि पार्टी किसी भी कार्यकर्ता के अनैतिक गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यकर्ताओं को रंगदारी वसूली के खिलाफ कई बार चेतावनी दी है। हाल में उन्होंने स्वीकार किया था कि पार्टी ऐसी गतिविधियों को पूरी तरह खत्म करने में सफल नहीं हो पाई है।

राहुल ने मोदी के 'हिसक शासन' के खिलाफ खड़े होने के लिए युवाओं की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''हिंसक शासन'' के खिलाफ जिस साहस के साथ भारत के युवाओं ने मजबूती से डटे रहने का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। उन्होंने ''भाजपा के गुंडों'' द्वारा दुर्व्यवहार, ''गाली-गलौज और हिंसा'' का सामना करने वाली लड़कियों की भी सराहना की। गांधी ने उन छात्रों के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा जिन्होंने पिछले महीने प्रश्नपत्र लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। छात्रों को प्रदर्शन के दौरान 20 जुलाई को कथित तौर पर पुलिस की ज्यादती का सामना करना पड़ा था।

गांधी ने छात्रों की बातें सुनीं, जिन्होंने अपनी आवाज उठाने के बाद पुलिस की कथित बर्बरता और उत्पीड़न का सामना करने के अपने अनुभव साझा किए। गांधी और छात्रों के बीच यह बातचीत इस महीने की शुरुआत में हुई थी।

कांग्रेस नेता गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत के युवाओं ने मोदी जी के हिंसक शासन के सामने जिस साहस और मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की, वह काबिल-ए-तारीफ है।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा कि छात्रों ने शांति, मोहब्बत और हंसी-मजाक के साथ अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने कहा, मुझे हर एक युवा पर गर्व है-- खासकर उन लड़कियों पर, जिन्हें भाजपा के गुंडों की बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करना पड़ा, यहां तक कि उन्हें प्रधानमंत्री से माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया। लेकिन अब उनकी आवाज दबाई नहीं जा सकेगी। गांधी ने कहा कि 22 अगस्त को छात्रों के साथ संवाद का कार्यक्रम छात्रों की गूंज' पुणे पहुंचेगा और इस बार यह कार्यक्रम विशेष रूप से छात्राओं के लिए होगा। उन्होंने कहा, ''अब लड़कियां बोलेंगी, देश सुनेगा।'' गांधी ने पांच अगस्त को छात्रों से मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया था। उनके साथ मीडिया के सामने आए पांच छात्रों में मॉडल रिया अहीर भी शामिल थीं। छात्र प्रदर्शनों के दौरान मुंबई में एक पुलिस वैन के सामने खड़े होकर उसे रोकने की रिया की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित हुई थी। रिया ने ऑनलाइन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस का रुख किया है।

'वंदे मातरम' पूरा नहीं गाना राष्ट्रवाद और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अपमान : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वंदे मातरम्' को पूरा न गाना राष्ट्रवाद और इस गीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अपमान है। राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' के पूर्ण गायन पर आपत्ति जताई थी। कांग्रेस ने हालांकि इस आरोप से इनकार किया।

पार्टी ने कहा कि राष्ट्रगीत के पूर्ण गायन को रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई थी और सोनिया गांधी केवल पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए कुर्सी मांग रही थीं, क्योंकि वह काफी देर से खड़े थे। शुभेंदु ने यहां राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, मैं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा पार्टी

कार्यालय में वंदे मातरम्' के गायन पर आपत्ति जताने की निंदा करता हूं। यह राष्ट्रवाद, देशभक्ति और सबसे बढ़कर 'वंदे मातरम' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अपमान है। उन्होंने कांग्रेस पर एक विशेष वोट बैंक को खुश करने के लिए तुष्टीकरण की परकाष्ठा तक राजनीति करने का आरोप लगाया और इस मुद्दे पर विपक्षी पार्टी से माफी की मांग की।

मुख्यमंत्री ने कहा, पूरा बंगाल गुस्से में है। कांग्रेस कुछ भी छिपा नहीं सकती। पूरे देश ने देखा कि जब वंदे मातरम्' गाया जा रहा था, तब सोनिया गांधी साफ तौर पर नाराज थीं। सब कुछ रिकॉर्ड में है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद ने वंदे मातरम्' के गायन को लेकर कानून बनाया है। पिछले महीने संसद ने एक विधेयक पारित किया, जिसके तहत राष्ट्रगीत का किसी भी तरह से अपमान करना दंडनीय अपराध होगा।

वाराणसी हवाई अड्डे पर जांच के दौरान यात्री के पिस्तौल से गोली चली, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल भवन में रविवार सुबह जांच के दौरान एक यात्री की लाइसेंसी पिस्तौल से कथित तौर पर गलती से चली गोली से एक महिला कर्मचारी और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। नागर विमानन मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस)इस घटना से जुड़ी परिस्थितियों की जांच कर रहा है, जिसमें हवाई अड्डों पर लाइसेंस वाले हथियारों को ले जाने के लिए तय

प्रक्रियाओं का पालन करना भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि जांच के नतीजों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक, दोनों घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया, स्थानीय पुलिस को तुरंत सूचना दी गई और यात्री को जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, घटना के तुरंत बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और हवाई अड्डे पर परिचालन बिना किसी रुकावट के जारी है। पुलिस ने बताया कि मुंबई जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस से यात्रा करने के लिए आजमगढ़ निवासी कमलेश राय पत्नी के साथ हवाई अड्डे पहुंचे थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्तौल थी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पिस्टल की जांच और उसमें मौजूद कारतूस की गिनती की जा रही थी, तभी अचानक गोली चल गयी। उन्होंने बताया कि इस घटना में जांच कर रही महिला कर्मचारी के पैर में और पास खड़े एक अन्य व्यक्ति घायल हो गये, दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस बीच, ''एक बयान में वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (बाबतपुर) के निदेशक पुनीत गुप्ता ने कहा, आज, 16 अगस्त 2026 को सुबह लगभग साढ़े नौ बजे, उड़ान आईएक्स-1810 से पत्नी के साथ मुंबई जा रहे एक यात्री ने विमान में ले जाने के लिए एक हथियार की जानकारी दी।'' गुप्ता ने बयान में कहा, हथियार की जांच के दौरान, गलती से एक गोली चल गई, जिससे एआई कार्गो लॉजिस्टिक्स एंड अलाइड सर्विसेज कंपनी लिमिटेड के दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया गया है और जांच जारी है। गोमती जोन के पुलिस उपायुक्त के बयान के अनुसार, यात्री की पहचान आजमगढ़ जिले के निवासी कमलेश राय के तौर पर हुई। घटना की जानकारी मिलने पर, पुलिस उपायुक्त (गोमती जोन) और सहायक पुलिस आयुक्त (पिंडरा) समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

'दिमागी नक्सली' होने पर गर्व है : प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर चिदंबरम का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी को लेकर उन पर कटाक्ष करते हुए रविवार को कहा, ''मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है।'' चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी द्वारा देश को ''दिमागी नक्सलियों'' से आगाह किए जाने के एक दिन बाद आई है।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया था कि ऐसे लोगों ने व्यवस्था में अपनी पैठ बना ली है और वे नीतियों को प्रभावित करके समाज के लिए खतरा बने हुए हैं। मोदी ने नागरिकों से ऐसे लोगों की पहचान करने और उन्हें ''अलग-थलग करने'' का आग्रह किया था। प्रधानमंत्री ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से कहा था कि देश 'हथियारी नक्सलवाद' को जंगलों से खत्म करने में सफल रहा है, लेकिन उसके वैचारिक समर्थक हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के अवसर तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए चिदंबरम ने एक्स' पर कहा, मुझे दिमागी नक्सली होने पर गर्व है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा था, ''माओवादी सोच वाले लोगों ने वर्षों तक सत्ता के गलियारों में अपनी जगह बना रखी थी। उन्होंने सरकारी समितियों में सलाहकार के रूप में काम किया और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित किया।'' प्रधानमंत्री ने कहा था कि इस चुनौती को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए तथा अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

सुविचार

ईमानदारी सबसे बड़ी ताकत है।सत्य का मार्ग अपनाएं,भले कठिन लगे,लेकिन अंत में सम्मान दिलाता है, और विश्वास भी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

युवा शक्ति को मोदी का तोहफा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर युवाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग सुविधा की घोषणा कर लाखों परिवारों को राहत दी है। इस घोषणा का विशेष महत्त्व है, क्योंकि यह लाल किले की प्राचीर से की गई है। देश में लाखों युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। वे सफलता के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। चूंकि ज्यादातर अच्छे कोचिंग संस्थान बड़े शहरों में हैं, इसलिए गांव-ढाणियों और कस्बों के बच्चों को अपना घर छोड़कर शहर जाना पड़ता है। इन शहरों के कई इलाके कोचिंग संस्थानों की वजह से अपनी पहचान बना चुके हैं। दूर-दराज से आने वाले युवाओं को यहां रहने, आने-जाने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्राय: ऐसे इलाकों में मकान किराया बहुत ज्यादा होता है। खाने का सामान महंगा मिलता है। सुबह कोचिंग संस्थान जाते हैं तो बसें पहले से ही भरी हुई मिलती हैं। गंतव्य तक पहुंचते-पहुंचते आधी ऊर्जा खत्म हो जाती है। वहां पढ़ाई कर वापसी में फिर वही संघर्ष शुरू हो जाता है। घर-परिवार से दूर रहने पर अकेलापन महसूस होने लगता है। जब कभी निराशा घेर लेती है तो हौसला बढ़ाने वाला, अपनापन जताने वाला कोई नहीं होता है। कई युवा यह सब बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। वे या तो अपने घर लौटने को मजबूर हो जाते हैं या गलत कदम उठा लेते हैं। खाली हाथ गांव लौटने पर उन्हें चौतरफा व्यंग्य-बाणों का सामना करना पड़ता है। जब साधारण आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवार अपने बच्चों को बड़े शहरों के कोचिंग संस्थानों में पढ़ने भेजते हैं तो उनका बजट गड़बड़ा जाता है। उन्हें ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज लेना पड़ता है। कई परिवारों को तो इसे चुकाने में वर्षों लग जाते हैं।

प्रधानमंत्री के इन शब्दों में उन परिवारों की पीड़ा झलकती है- 'हमारे मध्यम वर्गीय परिवारों के सामने एक बहुत बड़ा बोझ बन चुकी है- कोचिंग कक्षाओं की स्पर्धा ... हजारों-करोड़ रुपए का उनका खर्च है, वह भी बचे, बेटे भी अपने आस-पास रह सकें, उनकी देखभाल हो सके, परिवार पर आर्थिक बोझ न आए और इसलिए हमने युवाओं के लिए विभिन्न परीक्षाओं की मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग कराने का निर्णय किया है।' इस काम के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। देश में विद्वान शिक्षक हैं। सस्ता और सुलभ इंटरनेट है। कई लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैं। आसान शब्दों में कहें तो ऑनलाइन कोचिंग के सफल संचालन की पूरी गुंजाइश है। हालांकि, कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। ऑनलाइन कोचिंग की गुणवत्ता भी बहुत अच्छी होनी चाहिए। सरकारी कोचिंग की तुलना निजी कोचिंग संस्थानों से जरूर होगी। कई युवा दोनों कोचिंग को परखेंगे। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो प्रसारित हो सकते हैं, जिनमें यह बताने की कोशिश की जाएगी कि फलां संस्थान या शिक्षक बेहतर है। अगर सरकारी कोचिंग गुणवत्ता के मामले में निजी कोचिंग से ज़रा-भी पीछे रह गई तो उसे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाएगा। सरकारी अधिकारियों और शिक्षकों की जवाबदेही तय करना बहुत जरूरी है। इस बात पर ध्यान दें कि मुफ्त पढ़ाई के लिए लाखों सरकारी स्कूल देशभर में चल रहे हैं। सरकारी शिक्षकों के वेतन-भत्तों पर अरबों रुपए खर्च हो रहे हैं। सरकारी स्कूलों के नतीजों के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। वहीं, निजी स्कूलों में शुल्क लिया जाता है। उनके शिक्षकों का वेतन कम होता है। फिर भी उनके नतीजे तुलनात्मक रूप से बेहतर होते हैं। सरकारी कोचिंग में पहले ही दिन यह सुनिश्चित करना होगा कि गुणवत्ता के मामले में कोई समझौता नहीं होगा। यह पहल सफल होने पर शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव लेकर आ सकती है।

ट्वीटर टॉक

देश की आज़ादी के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को कोटि-कोटि नमन। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सभी देशवासियों को दिल से बधाई। स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने और देश की एकता रखने का संकल्प लें। जय हिंद।

-अशोक गहलोत

पूर्व प्रधानमंत्री, श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर, मैं उनके स्मारक स्थल 'सदैव अटल' पहुँचा और भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की। जीवन को देश और समाज के लिए कैसे उपयोगी बनाया जा सकता हैपूज्य अटल जी इसके लिए एक आदर्श उदाहरण हैं।

-ओम बिरला

आज अलवर के विजय नगर ग्राउंड में अलवर सरस डेयरी के नए प्लांट का शिलान्यास और अलग-अलग मिल्क यूनियनों के डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट और कैटल फीड प्लांट का उद्घाटन केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री -ाळींड्ढरह जी के हाथों हुआ।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

चुनौती से पहले तैयारी

युवा एंड्र्यू कार्नेगी एक टेलीग्राफ कार्यालय में संदेशवाहक के रूप में कार्य करते थे। उनका काम शहर के विभिन्न कार्यालयों और व्यापारिक संस्थानों तक संदेश पहुंचाना था। कार्नेगी ने देखा कि अधिकांश कर्मचारी केवल अपना निर्धारित काम करते हैं। लेकिन उन्होंने एक अलग आदत विकसित की। वे जिस भी कार्यालय में जाते, वहां के लोगों के नाम, उनके कार्य और रास्तों को ध्यान से याद रखते। कुछ ही महीनों में उन्हें बिना कागज़ देखे शहर की अधिकांश गलियां और प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठान याद हो गए। एक दिन टेलीग्राफ ऑपरेटर अनुपस्थित था। अचानक एक महत्वपूर्ण संदेश आया। दूसरे कर्मचारी घबरा गए, क्योंकि संदेश को तुरंत दर्ज करना आवश्यक था। कार्नेगी आगे बढ़े। उन्होंने कानों से मोर्स कोड सुना और बिना लिखित सहायता के पूरा संदेश सही-सही उतार दिया। कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी यह देखकर आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने पूछा, 'तुमने यह कब सीखा?' कार्नेगी ने विनम्रता से उत्तर दिया, 'जब मेरा काम समाप्त हो जाता था, तब मैं ऑपरेटर के पास खड़ा होकर उसे ध्यान से देखा करता था।' उस दिन उन्हें पहली बार बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई। यही अवसर आगे चलकर उनके जीवन की दिशा बदलने का कारण बना।

सामयिक

मीडिया पर मंडराता भरोसे का संकट

डॉ सुभाष गुप्ता
मोबाइल : 9412998711

जिस देश में अखबार में लिखे हुए शब्दों को कल तक सच का प्रमाण माना जाता था। जहां लोग किसी भी घटना या स्थिति के संबंध में अपनी बात को सही ठहराने के लिए सबसे बड़े और आखिरी तर्क के रूप में कहते आये हैं कि अमुक बात अखबार में छपी है। पूरे देश का इस मीडिया पर अटूट भरोसा था, लेकिन अब हालात बहुत बदल गये हैं। आज मीडिया के शब्दों पर कई सदियों से कायम भरोसा छीजने लगा है। अब तमाम चैनल और अखबारों के शब्दों पर आवाम विश्वास नहीं कर रहा है। लोग मीडिया के जिन शब्दों को सच का प्रमाण माना करते थे, उन्हें ही अब संदेह की निगाहों से देखने लगे हैं। हालात बताते हैं कि मीडिया इस वक्त एक भयानक दौर से गुजर रहा है। ये दौर विश्वसनीयता के संकट से उपजा है। मीडिया की अहमियत पर भी सवालिया निशान लगा रहा है। यह खतरे की घंटी है, जिसकी गूंज देश भर में सुनाई दे रही है। मीडिया का एक बड़ा तबका इससे बेचैन है और हालात में बदलाव चाहता है।

मीडिया की यह दुर्गति क्यों हुई? इसे समझने के लिए मीडिया के उस सुनहरे अतीत को समझना जरूरी है। आजादी की लड़ाई के दौरान जब अखबारों की शुरुआत हुई, तब उनका मकसद केवल और केवल गुलामी की जंजीरें तोड़ने के लिए अलख जगाना, लोगों को एकजुट करना और जुल्मी को बेनकाब करना था। उस दौर में पत्रकारिता केवल एक मिशन थी। ये वह समय था, जब अखबार निकालने या पत्रकारिता करने का मतलब खुद को संकट में डालना था। जब्ती, जेल, कोड़े बरसाने जैसी सजायें आम थी। सम्पादकों व पत्रकारों ने ब्रिटिश हुकूमत के ऐसे तमाम जुल्मों के बावजूद न तो कभी समझौते किये और न सच से दूर हुए। पत्रकारों पर होने वाले जुल्मों और उनकी कुर्बानियों ने देशवासियों के दिल और दिमाग में यह तथ्य कूट कूटकर भर दिया था कि पत्रकार न डरते हैं और न बिकते हैं। 21 वीं सदी तक अखबार उसी भरोसे का प्रतीक बने हुए थे। हालांकि आजादी का मकसद पूरा होने के बाद अखबारों के उद्देश्य बदल गये। 21वीं सदी की दस्तक होने तक नये-नये अखबारों के साथ देश में इलेक्ट्रानिक मीडिया का उदय होना शुरु हुआ। काफी ऐसे लोग भी मीडिया में उद्योगों की तरह निवेश करने के लिए आगे आये, जिनका उद्देश्य कोई मिशन चलाना नहीं, बल्कि मुनाफा कमाना था। लिहाजा, धीरे धीरे मिशन की जगह व्यवसाय ने ले ली, लेकिन यह व्यवसाय के रूप में भी बहुत सम्मानित और विश्वास से जुड़ा काम था। एक ऐसा व्यवसाय जो किसी मिशन की तरह सच को सामने लाने का काम करता था। सच चाहे लाख पर्दों के पीछे छिपा हो। तरह - तरह के जोखिम उठाकर पत्रकार सच को बेनकाब करते आये हैं। सच में मिलावट करना, आधे सच को सच की तरह पेश करना और सच को छिपाकर बैठ जाना इसके उसूलों के खिलाफ है। पत्रकारिता ने एक व्यवसाय होकर भी अपनी पवित्रता को बनाये रखा, भले ही इसके लिए हर साल कई पत्रकारों को मौत को गले लगाना पड़ा हो।

दुनिया के 180 देशों में मीडिया और पत्रकारों की स्थिति का अध्ययन करने वाली प्रमुख संस्था रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के आंकड़े गवाह हैं कि भारत का मीडिया और यहां के पत्रकार सच के लिए लड़ने और अपनी जान की बाजी लगाने से पीछे नहीं हटते। इसकी रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में भारत में माफिया, भ्रष्टाचार आदि के खिलाफ लिखने वाले 28 पत्रकारों की उनके काम के दौरान हत्या कर दी गई। इस संस्था की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पत्रकारों के लिए सबसे खतरनाक देशों में गिना जाता है। आज पत्रकारिता में एक तरफ जान जोखिम में डालने का जुनून है और दूसरी तरफ भरोसे का संकट। मीडिया आज इन दो तरह की विरोधाभाषी स्थितियों से गुजर रहा है।

संकट के इस दौर में उन्हें भी संदेह की निगाहों से देखा जाने लगा है, जो मीडिया घराने और पत्रकार कभी सच से मुंह नहीं मोड़ते और खबरों पर समझौते नहीं करते। आवाम और सच के लिए लड़ने वाले अखबारों पर होने वाले जुल्मों को भी पूरे देश ने अपनी आंखों से देखा है। जेन-जी के आंदोलन के दौरान मीडिया ने ऐसे दुर्दिन देखे हैं, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। आंदोलनकारी युवाओं ने मेन स्ट्रीम मीडिया के एक बहुत बड़े वर्ग को नकार दिया। इन युवाओं ने मीडिया के इस वर्ग की उपयोगिता को भी खारिज कर दिया। न तो उसे अपने बीच आने दिया और न ही खबरों के लिए उनकी ओर देखा। इन आंदोलनकारी युवाओं को उस मीडिया से इंसाफ भी नहीं मिला। मीडिया के इस वर्ग ने युवाओं की खबरों को जगह भी नहीं दी यानि उन्हें गायब कर दिया। इसके बावजूद युवाओं का आंदोलन सफल रहा। इस आंदोलन के दौरान मेन स्ट्रीम मीडिया के तमाम लोग बुरी तरह एक्सपोज हो गये। उनकी विश्वसनीयता पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यह मीडिया के लिए चिंता का विषय है।

चिंतन

मेघ, माटी और मन का उत्सव : सावन

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

जीवन में ऋतुएँ आती हैं और चली जाती हैं, किंतु सावन हर बार लौटता है। वह हर वर्ष नए मेघों के साथ आता है और अपने साथ सदियों पुरानी स्मृतियाँ भी ले आता है। उसके आते ही भीगी माटी की गंध में लोकगीतों के स्वर घुलने लगते हैं, वृक्षों की डालियों पर झूले डलने लगते हैं और मन के किसी कोने में सोया हुआ मोर, पंख पसार देता है। सावन का यही जादू उसे केवल प्रकृति के साथ ही भारतीय चेतना का एक जीवंत उत्सव बना देता है। जेठ की झुलसाती दोपहरों और आषाढ़ की प्रथम फुहारों के बाद जब आकाश की देहरी पर श्यामल मेघों की प्रथम झाँकी सजती है, तब लगता है कि प्रकृति के सूखे अधरों पर गीत मुख्य हो रहा है। मेरे लिए सावन केवल एक ऋतु नहीं, स्मृतियों का विस्तृत लोक है। यह अपने साथ बचपन के उन दिनों को ले आता है, जब घर के कच्चे आँगन में वर्षा की पहली बूँद गिरते ही मिट्टी से ऐसी गंध उठती थी, मानो धरती अपनी अंतरतम कथा कह रही हो। आज भी वह सोंधी महक किसी अदृश्य सेतु की तरह वर्तमान को अतीत से जोड़ देती है। आँखों के सामने बरसों पुराने दृश्य तैरने लगते हैं-आम की डालियों पर पड़ते झूले, भीगे आकाश के नीचे गूँजती कजरियाँ, मेहंदी रचाती मोहल्लेभर की जीजी,भाभी और सखियां, कोकिला व्रत करती माँ और काकियाँ, और दूर कहीं मयूर का पुकारता स्वर।

भारतीय जीवन में शायद ही कोई ऋतु या माह ऐसा आत्मीय हो, जितना सावन। वसंत को ऋतुराज कहा गया है, पर भारतीय जनमन का वास्तविक राग तो सावन ही है। वसंत आँखों को मुग्ध करता है तो सावन हृदय को सरसा देता है। वसंत में पुष्प खिलते हैं, सावन में स्मृतियाँ। जब काली घटा आकाश को आच्छादित कर लेती हैं, और हवाओं में जल की गंध घुलने लगती है, तब प्रकृति का समूचा व्यक्तित्व बदल जाता है। धूल से अटे वृक्ष- लताएँ स्नान कर हरित आभा पा जाते हैं, खेतों की मेड़ें हरी चुनर ओढ़ लेती हैं। नदी का स्वर गंभीर हो उठता है। पहाड़ों की नीरवता में भी जैसे कोई भीतरी संगीत बजने लगता है। वर्षा की बूँदें जब वृक्षों की पत्तियों पर पड़ती हैं, तो लगता है मानो सृष्टि के किसी अदृश्य वाद्य पर ईश्वर स्वयं तार छेड़ रहा हो।

हमारे लोकजीवन में तो सावन का रूप और भी मनोहारी है। नगरों के कृत्रिम शोर से दूर गाँवों में यह महीना आज भी उत्सव बनकर आता है। पीपल और आम्रवृक्षों की शाखाओं पर पड़े झूले की पेंगों के साथ मन भी ऊर्ध्वगामी हो उठता है। कजरी और मल्हार के स्वर लोकमानस में सामूहिक स्मृति और मधुर ऊर्जा घोल देते हैं - उनमें विरहिणी का दर्द भी होता है और मिलन की आशा भी। उनमें वर्षा की रिमझिम भी है और मन की मधुर अभिव्यक्ति भी। सावन का भारतीय नारी-जीवन से तो एक विशेष संबंध रहा है। नवविवाहिता के लिए यह सावन मायके लौटने का निमंत्रण ही है। हरी चूड़ियों की खनक, हथेलियों पर सजी मेहंदी, झूलों की पेंग और सखियों का साथ-इन सबके बीच सावन स्त्री-मन की उन कोमल आकांक्षाओं को स्वर देता है, जिन्हें सामान्य दिनों में अभिव्यक्ति नहीं मिल पाती।

भारतीय अध्यात्म ने सावन को विशेष महिमा प्रदान की है। माँ कहती थीं कि यह शिव का मास है - उस महायोगी का, जिसने स्वयं विष पीकर संसार को अमृत दिया।

आज भी शिवालयों में उमड़ती आस्था की धारा यह बताती है कि भारतीय संस्कृति में धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन के प्रति कृतज्ञता का भाव है। कांवड़ियों के समूह में बहती श्रद्धा और जलाभिषेक में व्यक्त समर्पण मनुष्य को उसकी आध्यात्मिक जड़ों से जोड़ते हैं। सावन का सबसे बड़ा चमत्कार यह है कि वह मनुष्य को प्रकृति के निकट ले आता है। आधुनिक जीवन की आपाधापी में हम भले ही कंक्रीट के जंगलों में घिर गए हों, पर पहली वर्षा होते ही भीतर का आदिम मन आज भी जाग उठता है - खिड़की पर ठिठककर वर्षा को देखना, भीगी मिट्टी की गंध को श्वासों से मन में भर लेना, दूर तक फैले मेघों को निहारना - मुझे लगता है, ये सब क्रियाएँ नहीं, आत्मा की स्वाभाविक प्रतिक्रियाएँ हैं। मानो मनुष्य अपने मूल स्रोत को पहचान रहा हो। सावन एक बड़े जीवन - सत्य का उद्घाटन करता है कि केवल तपन सत्य नहीं है। जेठ की दाह चाहे जितनी प्रचंड हो, अंततः उसे सावन के आगे झुकना ही पड़ता है। सूखी धरती के भाग्य में भी हरियाली होती है। प्रतीक्षा का प्रतिफल अवश्य मिलता है। शायद इसी कारण भारतीय लोक ने सावन को आशा का पर्याय माना है। सावन की हरियाली केवल वन-उपवनों में ही नहीं उतरती, वह मनुष्यों के संबंधों में भी पल्लवित होती है। हरियाली अमावस्या प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाती है, हरियाली तीज स्त्री-हृदय के उल्लास और सौंदर्य-बोध का उत्सव बनती है, नागपंचमी समस्त जीव-जगत के प्रति सम्मान का संदेश देती है, श्रावणी आत्मपरिष्कार और ज्ञान-परंपरा के नवीकरण का स्मरण कराती है तथा रक्षाबंधन स्नेह और विश्वास के पवित्र सूत्र को पुनः दृढ़ करता है। इन पर्वों के माध्यम से सावन जीवन, प्रकृति और रिश्तों-तीनों को एक साथ सरस और स्निग्ध बना देता है।

सावन बिदा लेते हुए स्मृति-चिह्न के रूप में केवल हरियाये खेत और समृद्ध नदियाँ ही नहीं छोड़ता; वह मन में एक मधुर अनुगूँज भी छोड़ जाता है। माटी की गंध, गीतों के स्वर, मंदिरों की घंटियाँ, मेघों की छाया और ककड़ी भुट्टे - सब स्मृति में लंबे समय तक जीवित रहते हैं। कभी अनुभव होता है कि सावन बाहर कहीं नहीं रहता; वह तो मन के भीतर ही बसा रहता है। इसी कारण भारतीय चेतना ने सावन को कभी मात्र एक मास नहीं माना। वह मेघों का नहीं, मनुष्यता का मौसम है; माटी का नहीं, स्मृतियों का विस्तार है; वर्षा का नहीं, जीवन के प्रति अटूट विश्वास का उत्सव है। सावन सचमुच मेघ, माटी और मन का वह शाश्वत उत्सव-राग है, जो युगों से भारतीय आत्मा में गूँज रहा है और जिसकी प्रतिध्वनि कभी क्षीण नहीं होती।

नजरिया

नाग पंचमी : आस्था के फन पर पर्यावरण चेतना

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भा

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल: 9416740584.

भारतीय संस्कृति की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में एक यह है कि यहां प्रकृति को केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न और पूजनीय अंग माना गया है। नदियों, पर्वतों, वृक्षों, पशु-पक्षियों और यहां तक कि धरती के भीतर रहने वाले जीवों के प्रति भी श्रद्धा व्यक्त करने की परंपरा रही है। इसी व्यापक प्रकृति-दृष्टि का विशिष्ट पर्व है नाग पंचमी, जो 17 अगस्त को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के अवसर पर मनाई जा रही है। यह पर्व नागों के प्रति धार्मिक आस्था व्यक्त करने के साथ-साथ मनुष्य और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व की भारतीय अवधारणा को भी सामने लाता है। हिंदू धार्मिक परंपरा में नागों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। भगवान शिव के गले में सुशोभित नाग हों, भगवान विष्णु की शेषनाग पर विराजमान दिव्य छवि हो अथवा समुद्र मंथन में वासुकि नाग की भूमिका, भारतीय पौराणिक आख्यानों में नाग बार-बार शक्ति, संरक्षण, रहस्य, अनंतता और प्रकृति की अदृश्य ऊर्जा के प्रतीक के रूप में सामने आते हैं। यही कारण है कि नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। कहीं नागों की प्रतिमाओं पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो कहीं मिट्टी अथवा कुश से

नाग की आकृति बनाकर उसका पूजन किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अनुष्ठानों की विधियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन श्रद्धा का भाव लगभग समान है।

नाग पूजा की परंपरा कितनी प्राचीन है, इसका संकेत अनेक पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में मिलता है। नागवंश की उत्पत्ति का संबंध महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कद्रू से जोड़ा गया है। नागों को पाताल लोक का निवासी बताया गया है। इसे आधुनिक भौगोलिक अवधारणा के रूप में देखने के बजाय प्राचीन भारतीय ब्रह्मांड-कल्पना के संदर्भ में समझना अधिक उचित है। इन आख्यानों में नाग केवल भय उत्पन्न करने वाले जीव नहीं हैं बल्कि वे प्रकृति की ऐसी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें मनुष्य पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता और जिनके साथ संतुलन बनाकर रहना आवश्यक है। नाग पंचमी की विशेषता केवल इतनी नहीं है कि इसमें नागों की पूजा की जाती है। इसकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता यह है कि यह मनुष्य को उस जीव के प्रति भी सम्मान करना सिखाती है, जिससे वह स्वाभाविक रूप से भयभीत रहता है। सांप को देखकर मनुष्य की पहली प्रतिक्रिया अक्सर डर होती है लेकिन भारतीय परंपरा ने इसी भय को श्रद्धा में बदलने का प्रयास किया। नाग को देवता मानने की परंपरा इस विचार को मजबूत करती है कि प्रकृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व है और मनुष्य को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अन्य जीवों के अस्तित्व का भी सम्मान करना चाहिए।

भारत के विभिन्न हिस्सों में नागों को केवल पौराणिक पात्र के रूप में नहीं बल्कि कुलदेवता, ग्रामदेवता, क्षेत्रपाल और स्थान देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। अनेक स्थानों के नाम भी नाग परंपरा से जुड़े दिखाई देते हैं। अनंतनाग, शेषनाग, नागपुर, नागालैंड और भागसूनाग जैसे नाम भारतीय सांस्कृतिक स्मृति में नागों की गहरी उपस्थिति की ओर संकेत करते हैं। इस पर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष इसका पर्यावरणीय महत्व है। आधुनिक विज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि सांप पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं। खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक सांप चूहों तथा अन्य कृंतकों को खाते हैं। चूहे फसलों, अनाज और खाद्य भंडार को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में सांप प्राकृतिक रूप से उनकी संख्या नियंत्रित करने में योगदान देते हैं। खाद्य-श्रृंखला में उनकी भूमिका जैविक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। सांपों की किसी प्रजाति के समाप्त होने का प्रभाव केवल उसी प्रजाति तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केनरा बैंक ने मनाया स्वतंत्रता दिवस का जश्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केनरा बैंक ने शनिवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समावेशी भारत बनाने का अपना संकल्प दोहराते हुए आज़ादी का जश्न मनाया। बैंक के हेड ऑफिस में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् से हुई। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ब्रजेश कुमार सिंह तथा बैंक के कार्यपालक निदेशकों ने तिरंगे गुब्बारे छोड़े। इस मौके पर ब्रजेश कुमार सिंह ने कहा, 'स्वतंत्रता के साथ भारत का भविष्य बनाने की बड़ी ज़िम्मेदारी भी है। विकसित भारत निर्माण की राह पर आगे बढ़ते हुए, हमारी असल कामयाबी इस पैमाने पर मापी जाएगी कि हम अपने हर नागरिक को आगे बढ़ने का समान मौका दे पाए हैं या नहीं। शिक्षा, वित्तीय समावेशन और सामुदायिक कल्याण पर ध्यान देते हुए, केनरा बैंक अधिक न्यायसंगत और सशक्त भारत बनाने में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।'

जश्न के दौरान, केनरा बैंक ने छात्राओं के लिए 'केनरा विद्या ज्योति स्कॉलरशिप' की घोषणा की। उसने आराइके चैरिटेबल ट्रस्ट को 4.22 लाख रुपए का अनुदान दिया, ताकि एक वृद्धाश्रम के लिए 75 रेक्सिन बेड और 50 खाट उपलब्ध कराई जा सकें। बैंक ने दिव्यांगजनों के लिए पांच इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के वास्ते समर्थनम ट्रस्ट को 4.44 लाख रुपए का अनुदान भी दिया।

रेपका में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां के यलहंका स्थित रेल पहिया कारखाना (रेपका) में स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कारखाने के महाप्रबंधक मनोरंजन प्रधान ने तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सभा को संबोधित करते हुए प्रधान ने कहा कि यह उन महान आत्माओं को याद करने का दिन है जिन्होंने हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए निस्वार्थ भाव से अपने प्राणों का बलिदान दिया, साथ ही देशभक्ति, विविधता में एकता और सबसे महत्वपूर्ण, राष्ट्रप्रथम की मानसिकता के मूल्यों को याद करने का भी दिन है।

प्रधान ने बताया कि वित्त वर्ष 25-26 के दौरान 2,10,026 पहिए, 1,22,000 धुरे और 1,20,100 व्हीलसेट निर्मित किए गए और 1,16,561 व्हीलसेट भेजे गए, जो आरडब्ल्यूएफ के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। वित्त वर्ष 26-27 में जुलाई तक, 48.297 खरीद आदेश लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसई) को दिए गए, जिससे प्राथमिकता क्षेत्र को बढ़ावा मिला। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि थर्ड एक्सल मशीनिंग लाइन जैसी प्रमुख परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जिससे एक्सल उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। कारखाने परिसर के भीतर बड़े पैमाने पर नवीनीकरण कार्य चल रहे हैं। समारोह में रेलवे सुरक्षा बल, एनसीसी के लड़के और लड़कियां, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा मार्च पास्ट शामिल था, जिसके बाद केंद्रीय विद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

दपरे ने सुरक्षा, गति, राजस्व और यात्री सेवाओं में कई उपलब्धियां हासिल कीं

हुब्बली/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महाप्रबंधक पी अनंत ने स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं को नमन किया। उन्होंने देश के विकास में दपरे की उपलब्धियों का उल्लेख किया। महाप्रबंधक ने कहा कि ट्रेनों के संचालन में सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और कनेक्टिविटी में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। दपरे ने 83 किमी नए ट्रैक को शुरू कर, किसी भी गंभीर ट्रेन दुर्घटना के बिना रिकॉर्ड बनाया है। 22 नई ट्रेनें शुरू की गईं, 42 को नियमित किया गया और 125 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई, जिससे 3,335 मिनट की बचत हुई। दपरे ने 31.3 मिलियन टन की रिकॉर्ड माल ढुलाई और 5,531 करोड़ रुपए का सकल राजस्व हासिल किया। सोलर क्षमता 8.4 एमडब्ल्यूपी तक पहुंच गई और 212 में से 191 ट्रेन जोड़ियों को इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन में बदला गया है।

महाप्रबंधक ने पूरे दपरे परिवार की समर्पित कोशिशों की सराहना की और बताया कि ज़ोन ने जनवरी-जुलाई के दौरान सुरक्षा, बुनियादी ढांचे के विकास, ट्रेन संचालन, यात्री सेवाओं, राजस्व सृजन, कर्मचारियों के कल्याण और स्थिरता के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने ऊंचे सुरक्षा मानक बनाए रखने के लिए स्टाफ़ की तारीफ़ की। इस मौके पर डीआरएम हुब्बली बेला मीना, दपरे के विभागों के प्रमुख अधिकारी, मुख्यालय और हुब्बली मंडल के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

सात कंपनियां इस सप्ताह आईपीओ से 6,400 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में

नई दिल्ली/भाषा। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में एक बार फिर हलचल बढ़ने वाली है। इस सप्ताह सात कंपनियां आईपीओ के जरिये सामूहिक रूप से करीब 6,400 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में हैं। इनमें ब्लैकस्टोन समर्थित होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट भी शामिल हैं। होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट के आईपीओ 17 अगस्त को खुलेंगे। होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स 2,600 करोड़ रुपये का आईपीओ ला रही है, जिसका मूल्य दायरा 57 रुपये से 60 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई पूरी राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने में करेगी।

वहीं, ललिता ज्वेलरी मार्ट ने अपने 1,700 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 190 रुपये से 201 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इसमें 1,200 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। साथ ही इसमें 500 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल है। इसके बाद 18 अगस्त को शंकेश ज्वेलर्स और सनशाइन पिक्चर्स के आईपीओ खुलेंगे। शंकेश ज्वेलर्स का निर्गम 367 करोड़ रुपये का है और इसका मूल्य दायरा 88 रुपये से 93 रुपये प्रति शेयर है। सनशाइन पिक्चर्स 282 करोड़ रुपये जुटाएगी और इसके शेयर का मूल्य दायरा 342 रुपये से 360 रुपये तय किया गया है। बाद में 19 अगस्त को गाजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट का 550 करोड़ रुपये का आईपीओ खुलेगा। कंपनी गाजा कैपिटल ब्रांड के तहत काम करती है। आईपीओ में 450 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 100 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश शामिल है। शेयर का मूल्य दायरा 152 रुपये से 160 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। इसके बाद 20 अगस्त को टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) का आईपीओ खुलेगा। कंपनी 95 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी, जबकि 1.85 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी इसमें शामिल होगी। ऑगमॉन्ट एंटरप्राइजेज का 825 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 अगस्त को खुलेगा। कुल मिलाकर ये सातों कंपनियां आईपीओ के जरिये 6,400 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद कर रही हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, इन आईपीओ के साथ 2026 में अब तक सार्वजनिक निर्गम लाने वाली कंपनियों की संख्या बढ़कर 55 होने की उम्मीद है। कंपनियां आईपीओ से प्राप्त धन का इस्तेमाल मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज भुगतान और अन्य कंपनी कामकाज के लिए करती हैं।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराकर इतिहास रचा

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया)/एपी। बांग्लादेश ने रविवार को यहां दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर पहली और कुल मिलाकर दूसरी जीत है। बांग्लादेश की पहली पारी में महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाने वाले मेहदी हसन मिराज ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर उसे 284 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया केवल 56 रन की बढ़त ही हासिल कर पाया।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने कहा, ''किसी भी प्रारूप में बांग्लादेश की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। हम भविष्य में कुछ खास करेंगे।'' बांग्लादेश में भी इस जीत का जमकर जश्न मनाया जा रहा है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने भी शंटो को वीडियो कॉल करके टीम को बधाई दी। शंटो ने कहा, ''हमारे लिए यह विशेष पल है और मुझे पूरा विश्वास है कि स्वदेश में भी लोग इसका जश्न मना रहे होंगे। हमें ऐसे पल बहुत कम मिलते हैं इसलिए हमें इसका पूरे दिन भर जश्न मनाना चाहिए।''

कैमरन ग्रीन ने अपना तीसरा टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने 201 गेंदों में 104 रन बनाए लेकिन इससे ऑस्ट्रेलियाई पारी की हार ही टाल पाया। बांग्लादेश के सामने केवल 57 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जोश हेज़लवुड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले तंजीद हसन को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन शादमान इस्लाम (नाबाद 25) और मोमिनुल हक (नाबाद 30) ने संयम बनाए रखते हुए अपनी टीम को 14.2 ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। बांग्लादेश की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में केवल 198 रन ही बना सका, जिसमें स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश ने पिच के सपाट होने का फायदा उठाते हुए 426 रन बनाए और 228 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली।

ग्रीन के शानदार शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया पहली पारी के खराब प्रदर्शन से नहीं उभर पाया। इस तरह से बांग्लादेश ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इससे पहले उसने 2017 में ढाका में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार उसके 149 साल के टेस्ट इतिहास में घर पर हुई सबसे अपमानजनक पराजय में से एक है। इससे अब चयनकर्ताओं पर 22 अगस्त से क्वींसलैंड राज्य के मैकाय में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम में बदलाव करने का काफी दबाव होगा।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, मुझे लगता है कि जब भी इस तरह का कोई मैच होता है, तो आप हमेशा अगले मैच के लिए अपनी टीम की रणनीति पर विचार करते हैं। वापसी करने में हमारा रिकार्ड अच्छा है। सभी खिलाड़ी एक साथ मिलकर इस मैच के बारे में अच्छी तरह सोचेंगे और यह पता लगाएंगे कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।''

रुक्मिणी वसंत ने 'टॉक्सिक' को बताया बिल्कुल अलग

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूज़िक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है।टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूं। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपैंसिव होना, फिल्म का स्केल पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था।हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंड्योर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के

स्केल और इस दुनिया की ग्रैंड्योर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ और इतना ह्यूमन है। रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहां फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी।

एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था।जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिकनेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्वा है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

व्यवस्था बदलनी है तो पहले खुद बदलें : सुभाष घई

मुंबई/एजेन्सी

फिल्ममेकर सुभाष घई ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए जेन-जी को खुद पर भरोसा करने, आत्मनिर्भरता और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जेन-जी इन सभी से समाज में बड़ा बदलाव लाना चाहता है। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि जेन-जी लड़ाई-झगड़े की बजाय शांति को चुनना पसंद करती है। फिल्ममेकर ने लिखा, जब मैं अपने माता-पिता से कहूं कि मैं अपनी मेहनत और हुनर के दम पर आगे बढ़ूंगा तो मुझे अपनी जरूरतों या काम के लिए दूसरों से अतिरिक्त पैसे या मदद मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर हर इंसान ईमानदारी से अपने दम पर आगे बढ़ने की कोशिश करे तो भ्रष्टाचार अपने आप कम होने लगेगा।

उन्होंने लिखा, व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई हमेशा बाहर से नहीं लड़ी जा सकती, क्योंकि हम भी

इसी व्यवस्था का हिस्सा हैं। इसलिए सबसे पहले हमें खुद से शुरुआत करनी होगी और अपने देश का अच्छा चरित्र बनाना होगा। माता-पिता से बस यही निवेदन है कि अपने बच्चों पर भरोसा करें और उन्हें अपनी मेहनत और काबिलियत से आगे बढ़ने का मौका दें। सुभाष घई ने जोर दिया कि भ्रष्टाचार सिर्फ नेताओं की वजह से नहीं, बल्कि आम लोगों की गलत आदतों और समझौते की वजह से भी बढ़ता है। अगर हम सच में बदलाव चाहते हैं, तो हमें खुद ईमानदारी से शुरुआत करनी होगी।सुभाष घई की फिल्मों की बात करें तो वो कई सुपरहिट फिल्मों से जुड़े रहे हैं।

जुलूस

सावन के पवित्र महीने के दौरान इंदौर में आयोजित कांवड़ यात्रा के दौरान जुलूस में हिस्सा लेता एक श्रद्धालु।

शिल्पा शिरोडकर ने जॉनी लीवर को बताया सबसे खास

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मों में कभी 'बाबूलाल' बनकर तो कभी 'छोटा छत्री' और 'असलम भाई' जैसे किरदारों में जॉनी लीवर ने ऐसा रंग जमाया कि फिल्मों में उनका रोल छोटा हो या बड़ा, दर्शकों का ध्यान उन पर जरूर जाता था। 14 अगस्त को वह अपना 69वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने भी जॉनी लीवर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। शिल्पा शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर जॉनी लीवर की एक तस्वीर साझा की और उनके जन्मदिन पर प्यार भरी शुभकामनाएं दीं। शिल्पा ने अपने कैप्शन में लिखा, ''हमारी इंडस्ट्री के सबसे खास लोगों में से एक, जॉनी लीवर को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। मैं हमेशा से आपके जबरदस्त टैलेंट की बहुत बड़ी फैन रही हूं, लेकिन स्क्रीन के अलावा, आप सबसे सच्चे, असली और सच में मजेदार इंसान हैं। भारतीय सिनेमा आपके जादू और हँसी के बिना सच में अधूरा है। भगवान आपको बहुत खुशी, अच्छी सेहत और कभी न खत्म होने वाली खुशियां दें। हैप्पी बर्थडे!'' जॉनी लीवर की जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही है। फिल्मों में आने से पहले उनकी जिंदगी काफी संघर्षों से भरी थी। आर्थिक परेशानियों के चलते उन्होंने सातवीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी और मुंबई की सड़कों पर पेन बेचने का काम करते थे। इसी दौरान वह फिल्मी सितारों की नकल करके लोगों को हंसाया करते थे। धीरे-धीरे उनकी मिमिक्री और कॉमेडी का हुनर लोगों के बीच पहचान बनाने लगा। उन्होंने स्टेज पर काम शुरू किया और आगे चलकर

कल्याणजी-आनंदजी के साथ भी परफॉर्म किया। 1981 में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़कर पूरी तरह स्टेज शो को अपना लिया। उनके शो ने ऐसी पहचान बनाई कि 1982 में अमिताभ बच्चन के साथ टूर करने का मौका भी मिला।

फिल्मों में जॉनी लीवर को पहला बड़ा मौका 'तुम पर हम कुर्बान' से मिला और इसके बाद 'दर्द का रिश्ता', 'जलवा', 'हीरो हीरालाल', 'तेजाब', 'किशन कन्हैया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों में वह नजर आए। 1988 में आई 'तेजाब' में उनका किरदार छोटा था, लेकिन धीरे-धीरे उनकी कॉमेडी फिल्मों का अहम हिस्सा बनने लगी। 1993 में आई 'बाजीगर' ने जॉनी लीवर के करियर को नई रफ्तार दी। फिल्म में बाबूलाल के किरदार में उन्होंने ऐसी कॉमेडी की कि वह दर्शकों के बीच खास तौर पर पहचाने जाने लगे। इसके बाद 'करण अर्जुन', 'राजा हिंदुस्तानी', 'जुदाई', 'इश्क', 'दीवाना मस्ताना', 'दुल्हे राजा', 'यस बॉस' और 'आवारा पागल दीवाना' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन किया। 'करण अर्जुन' के लिए उन्हें फिल्मफेयर के बेस्ट कॉमेडियन अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन मिला, जबकि 'राजा हिंदुस्तानी' में बलवंत सिंह के किरदार के लिए उन्हें स्क्रीन अवॉर्ड मिला।

रानी मुखर्जी को मिला मानद डॉक्टरेट की उपाधि

मुंबई/एजेन्सी

रानी मुखर्जी के करीब तीन दशक लंबे फिल्मी सफर में कई ऐसी फिल्में आई हैं, जिन्होंने सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर कमाई नहीं की, बल्कि लोगों के दिलों-दिमाग पर अपनी छाप छोड़ी। कभी 'कुछ कुछ होता है' की टीना बनकर उन्होंने दर्शकों को अपना दीवाना बनाया, तो कभी 'ब्लैक', 'मर्दानी' और 'हिचकी' जैसी फिल्मों में बिल्कुल अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता दिखाई। अब रानी को सिने जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया है। खास बात यह है कि शाहरुख खान के बाद रानी यह सम्मान पाने वाली दूसरी भारतीय फिल्मी हस्ती हैं। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी ने उन्हें ऑनरेरी डॉक्टर ऑफ लेटर्स की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2026 के तहत फेडरेशन स्क्वायर में आयोजित एक खास समारोह में दिया गया। यूनिवर्सिटी ने यह सम्मान भारतीय सिनेमा में रानी के करीब तीन दशक

लंबे योगदान को देखते हुए दिया है।

सम्मान मिलने के बाद रानी मुखर्जी ने इसे अपनी जिंदगी के सबसे खास पलों में से एक बताया। उन्होंने कहा, ''जब मैं छोटी थी, तब बाकी बच्चों की तरह मेरा भी सपना था कि मैं अपने परिवार और अपने देश को गर्व महसूस करा सकूं। हालांकि उस वक्त मुझे यह नहीं पता था कि मैं ऐसा कैसे करूंगी। मुझे बस इतना मालूम था कि अगर मैं किसी एक काम में पूरी मेहनत करके अच्छी बनूं, तो मेरे माता-पिता खुश होंगे। आखिरकार सिनेमा मेरे लिए वह माध्यम बना, जिसके जरिए मैं इस सपने को पूरा कर सकी।''

रानी ने अपने करियर के फैसलों के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैं शुरुआत से ही जोखिम उठाने के लिए हमेशा तैयार रही। मैंने कभी आसान या सुरक्षित रास्ता नहीं चुना। मैं ऐसी फिल्मों को चुनती थी, जिनकी कहानी सबसे पहले मेरे दिल को छूती हो। मेरे लिए जरूरी रहा है कि कहानी ऐसी हो, जिसे बताया जाना चाहिए, जो लोगों को प्रेरित करे और उन्हें सशक्त बनाए। मेरे करियर में रोमांटिक फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक मुद्दों पर बनी कई फिल्में भी शामिल हैं।''

अभिनेत्री ने कहा, ''मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती थीं, जिनमें महिलाओं को सिर्फ सहायक किरदार के रूप में नहीं, बल्कि अपनी सोच और फैसले रखने वाली मजबूत शख्सियत के तौर पर दिखाया जाए। अपने मन का काम करने के बदले ऐसा सम्मान मिलना आगे भी इसी दिशा में काम करने के लिए और प्रेरित करता है।''

जेजी मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां एसआरपी कॉलोनी स्थित जयगोपाल गारोदिया मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल में 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े देशभक्तिपूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण किया गया। मुख्य अतिथि सीनियर इंजीनियर ऑफिसर और डाइविंग ऑफिसर, इंडियन नेवल शिप दर्शक लेफ्टिनेंट कमांडर कार्तिकेय अग्रवाल का औपचारिक परिचय और स्वागत किया गया।

जेजी विवेकानंद विद्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति के जोश के साथ मनाया गया। मेजर जनरल रमेश (रिटायर्ड) ने झंडा फहराया। उन्होंने स्टूडेंट्स को आर्म्ड फोर्स में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए मोटिवेट किया। चीफ गेस्ट ने देश के हीरो के बलिदान पर रोशनी डाली और स्टूडेंट्स को एक आत्मनिर्भर और आगे बढ़ने वाले देश के लिए काम करने के लिए हिम्मत दी। एकेडमिक डायरेक्टर जी. विजयकुमार, प्रिंसिपल एम. उमा, बुक बैंक कोऑर्डिनेटर श्री केसवन इस मौके पर मौजूद थे।

माहेश्वरी सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सभा द्वारा मिंट स्ट्रीट स्थित माहेश्वरी भवन में 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह, उमंग और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभा की कार्यकारिणी के पदाधिकारी, सदस्य एवं समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया। सभाके अध्यक्ष गौरीशंकर राठी ने सभी का स्वागत करते हुए स्वतंत्रता दिवस के बारे में बताते हुए स्वतंत्रता सेनाानियों को याद किया। इस मौके पर समाज के अनेक गणमान्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीरवी समाज तमिलनाडु ट्रिप्लीकेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां चेन्नई के ट्रिप्लीकेन के वडेर में सीरवी समाज तमिलनाडु ट्रिप्लीकेन द्वारा स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उमाराम परिहारिया, सचिव हरीराम सेपटा, कोषाध्यक्ष टुवाराम गहलोत, पूर्व अधयक्ष खेताराम गहलोत, सह सचिव दिलीप कुमार हाम्बड, बिजाराम परिहारिया, हीरालाल चोयल, कानाराम सिदड़ा सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा सेवा समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां कावाकरै स्थित सार्वजनिक दुर्गा पूजा सेवा समिति कार्यालय में देश का 80वां स्वाधीनता दिवस के अवसर पर हर हाथ तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें संस्था के सभी सदस्यों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे राष्ट्रगान जन गण मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता..से शुरू हुआ। तथा अन्य राष्ट्रीय गीत भी गाए गये। समिति के सदस्यों के बीच आगामी दुर्गा पूजा के विषय पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रामनरेश शर्मा, सचिव महेश कुमार महतो, अजित सिंह, रामू साहू, शशि कुमार, ए. एन पांडेय, प्रभात सिंह, एमके गुप्ता, डी. एन शर्मा, पुरुषोत्तम, देवनारायण चौपाल, पंकज सिंह आदि ने हिस्सा लिया।

राजस्थानी संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम स्थित राजस्थानी संघ में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस मौके पर संघ के सदस्यों ने मिलकर ध्वजारोहण किया और मिठाइयां बांटी गई।

ब्रह्मवृक्षम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में उत्तर प्रदेश के प्रवासी ब्राह्मणों की संस्था ब्रह्मवृक्षम द्वारा 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्था के सचिव वीके तिवारी ने बताया इस अवसर पर ब्रह्मवृक्षम सदस्यों ने माधावरम् के आदिनाथ ट्रेड सेंटर में झंडारोहण किया।

जैन विद्याश्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। जैन विद्याश्रम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्ष, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सीए कमल चोरडिया ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर विद्यालय संवाददाता पदम कुमार टाटिया, संपत कुमार बागमार, जयप्रकाश ललवानी, प्रधानाचार्या रेणुका देवी एवं उप-प्रधानाचार्या जयरत्ना उपस्थित रही।

आरवाईए कास्मो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाइए) कॉस्मो द्वारा स्वतंत्रता दिवस का समारोह देशभक्ति, सेवा भावना और सामाजिक प्रतिबद्धता के उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में संस्था के पूर्व अध्यक्षों, सदस्यों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बढाई। समारोह का वातावरण राष्ट्रभक्ति से सरोबार था। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राजेश रांका ने विधिवत ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात राष्ट्र गान हुआ। समारोह में राजेश रांका ने स्वागत भाषण में कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्र के प्रति गौरव व्यक्त करने का अवसर ही नहीं, बल्कि जिस संस्था से हम जुड़े हैं, उसके प्रति भी गर्व और जिम्मेदारी का भाव जागृत करने का पर्व है।

क्रिया केसाथ ज्ञान ही मोक्ष का मार्ग : मुनिश्री तीर्थचैतन्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री तीर्थचेतन्य विजयजी म.सा .ने प्रवचन में धर्म-साधना के मर्म को सरल एवं प्रभावपूर्ण ढंग से समझाते हुए कहा कि यदि संसार के बंधनों का नाश कर मोक्ष की ओर बढ़ना है, तो केवल धार्मिक क्रियाएं करना पर्याप्त नहीं है। शुद्ध कर्म के साथ शुद्ध ज्ञान का होना भी आवश्यक है। मुनिश्री ने कहा कि भगवान द्वारा प्रतिपादित धर्म के दो प्रमुख आधार हैं ज्ञान और क्रिया। जैन दर्शन में भी स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ज्ञान और क्रिया के समन्वय से ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

जिस प्रकार संसार के सामान्य व्यवहार में किसी भी कार्य को सही ढंग से करने के लिए उसका ज्ञान आवश्यक होता है, उसी प्रकार मोक्ष की साधना में भी केवल क्रिया नहीं, बल्कि क्रिया के पीछे का ज्ञान और उद्देश्य समझना आवश्यक है। उन्होंने ज्ञान-क्रिया के चार आयामों को समझाते हुए कहा कि पहला है क्रिया विषयक क्रिया, अर्थात केवल क्रिया को आगे बढ़ाने के लिए दूसरी क्रिया करते जाना। इसमें व्यक्ति यह तो करता रहता है कि क्रिया पूरी हो जाए, लेकिन उसके उद्देश्य और फल का विचार नहीं करता। ऐसी स्थिति में धार्मिक क्रिया भी केवल एक नियमित अभ्यास बनकर रह सकती है। मुनिश्री ने प्रेरणा देते हुए कहा कि धर्म का उद्देश्य क`वल क्रियाओं की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि आत्मा को जागृत करना है। इसलिए हर धार्मिक क्रिया के साथ उसके ज्ञान, उद्देश्य और भाव को समझना चाहिए।

ज्ञान के बिना क्रिया अधूरी है और क्रिया के बिना ज्ञान अधूरा। दोनों का संतुलित समन्वय ही साधक को व्यवहार से निश्चय की ओर और संसार से मोक्ष की ओर ले जाने वाला वास्तविक मार्ग है।

अग्रवाल विद्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में अग्रवाल विद्यालय के प्रांगण में 80 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल रॉबिन के मथाई-प्रशासनिक अधिकारी, मुख्यालय भर्ती क्षेत्र, चेन्नई ने झंडा फहराया तथा बच्चों के परेड की सलामी ली। विद्यालय की छात्रा जाह्नवी ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथिगणों का स्वागत किया। प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी, संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल तथा सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया ने शॉल, पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

डीजी वैष्णव कॉलेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज (स्वायत्त) अरुंबक्कम में 15 अगस्त को महाविद्यालय परिसर में देशभक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधन, प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने एक साथ मिलकर राष्ट्र की स्वतंत्रता का स्मरण किया तथा देश के मूल्यों और आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. एस. राजसुंदरम, निदेशक, इस्वार्या कैंसर सेंटर एवं प्रमुख - सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया।

मोतीलाल फोमरा हायर सेकेंडरी स्कूल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां चेन्नई के मोतीलाल फोमरा सनातन हायर सेकेन्डरी स्कूल परिसर में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ पूरी देशभक्ति से मनाया गया। मुख्य अतिथि मोहित राजपुरोहित सीनियर प्रोडक्ट मैनेजर कैरेटलेन (टाइटन और तनिष्क) रहे। उन्होंने ध्वजारोहण किया। जिनका सम्मान अध्यक्ष विजय गोयल ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनन्त कृष्णन ने मुख्य अतिथि का स्वागत भाषण देते हुए परिचय भी कराया। खेल व सांस्कृतिक समन्वयक अनिल दलाल और शैक्षणिक समन्वयक करुणा मोहता उपस्थित थे।

मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम् स्थित जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ द्वारा संचालित मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ध्वजारोहण किया गया। संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र गोलेछा, सचिव श्यामसुन्दर लुणिया, खरतरगच्छ युवक परिषद के प्रदेश अध्यक्ष दीपक नाहटा, युवक परिषद के कोयंबटूर इकाई अध्यक्ष रवि गोलछा और अन्य उपस्थित थे।

वेलम्मल एकेडमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां आवडी एसी कैंपस स्थित वेलम्मल एकेडमी में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति एवं उत्साह के वातावरण में मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े राहुल बोहरा ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.